पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
बुधवार
10 सितंबर, 2025
वर्ष:24 अंक: 77
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

सुलग उठा नेपाल : संसद भवन धधका, पीएम ओली ने दिया इस्तीफा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। नेपाल मंगलवार को भीषण राजनीतिक संकट में फंस गया, जब उग्र प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू स्थित संसद भवन को आग के हवाले कर दिया। हालात काबू से बाहर होते ही प्रधानमंत्री केपी.शर्मा ओली ने अपना इस्तीफा सौंप दिया।

सरकार द्वारा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के आरोपों से उपजा असंतोष पूरे देश में हिंसक प्रदर्शनों में बदल गया। सुरक्षा बल स्थिति काबू करने में नाकाम रहे। इसे नेपाल के हालिया राजनीतिक इतिहास के सबसे गंभीर संकटों में गिना जा रहा है।

ओली ने इस्तीफा उस समय दिया, जब सैकड़ों प्रदर्शनकारी उनके दफ्तर में घुस आए और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। इस्तीफे से कुछ घंटे पहले प्रदर्शनकारियों ने बालकोट स्थित उनके निजी आवास में आग लगा दी। वे सोमवार को हुई मौतों के लिए जवाबदेही की मांग कर रहे थे। सोमवार के प्रदर्शनों में कम से कम 19 लोगों की मौत हुई और 300 से अधिक घायल हो गए। इन घटनाओं के बाद सरकार ने सोशल मीडिया पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया।

दिन की शुरुआत में नेपाली कांग्रेस के दो मंत्री कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी और स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री प्रदीप पौडेल ने इस्तीफा दे दिया। दोनों ने सोमवार को छात्र प्रदर्शनों पर सरकार की कठोर कार्रवाई को इसका कारण बताया।

प्रदर्शनकारियों की नाराजगी और हमले

'जनरेशन-ज़ी' के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने राजधानी में जगह-जगह 'केपी चोर, देश छोड़' और 'भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करो' जैसे नारे लगाए। उन्होंने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के बोहराटार स्थित निजी आवास और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के नैकाप स्थित घर पर हमला कर आगजनी की। रमेश लेखक ने सोमवार को पुलिस द्वारा युवाओं पर बल प्रयोग के बाद इस्तीफा दिया था।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (टीआईए) भी बढ़ते प्रदर्शनों के चलते पूरी तरह बंद कर दिया गया। जनकपुर में प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय, सत्ताधारी दल के दफ्तर और कई इमारतों को आग के हवाले कर दिया।

ललितपुर जिले के सुनाकोठी में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ के घर में आगजनी की गई। उप प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल और नेपाल राष्ट्र बैंक के गवर्नर विश्व पौडेल के घरों पर पथराव किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के ललितपुर स्थित निवास को भी प्रदर्शनकारियों ने निशाना बनाया। पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा के बुढानीलकंठ स्थित घर के बाहर भी विरोध प्रदर्शन हुआ।

इसके बावजूद छात्र सड़कों पर डटे रहे। काठमांडू के कालांकी, कालिमाटी, तहाचल और बानेश्वर, तथा ललितपुर जिले के च्यासल, चापागांव और थेचो क्षेत्रों में प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने 'छात्रों को मत मारो' जैसे नारे लगाए और सार्वजनिक जमावड़ों पर लगी रोक की अवहेलना की। कालांकी में प्रदर्शनकारियों ने सुबह से ही सड़कें जाम करने के लिए टायर जलाए। रिपोर्टों के अनुसार, पुलिस की गोलीबारी में चार लोग घायल हुए।

ओली की अपील और सोशल मीडिया विवाद

इस्तीफे से पहले ओली ने सभी दलों की बैठक बुलाई और कहा कि हिंसा नहीं, बल्कि संवाद ही समाधान का रास्ता है। उन्होंने कहा कि हिंसा रास्ता नहीं है, हमें शांति और संवाद से ही समाधान खोजना होगा।

जनरेशन-ज़ी समूह पहले से ही भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा था। उन्होंने रेडिट और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर मंत्रियों और प्रभावशाली लोगों के बच्चों की ऐशोआराम भरी जिंदगी उजागर की थी। यह सवाल उठाया गया कि इतनी दौलत आखिर कहां से आ रही है। सोशल मीडिया बैन को प्रदर्शनकारियों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दबाने का प्रयास बताया।

सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध में हुई हिंसक झड़पों में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 300 से अधिक लोग घायल हुए। इसके बाद सरकार ने सोमवार देर रात सोशल मीडिया पर लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया।

ओली के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले नेपाली कांग्रेस के दो मंत्री कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी और स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री प्रदीप पौडेल ने भी त्यागपत्र दे दिया।

मोटी-मोटी बातें

NDA उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन भारत के उपराष्ट्रपति निर्वाचित, मिले 452 वोट

नई दिल्ली- उप राष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन विजयी घोषित किए गए। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 व विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए।

राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पी सी मोदी ने नतीजों की घोषणा की। इस मतदान में निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 (एक डाक मतपत्र समेत) ने मतदान किया था, जिसमें 15 वोट अवैध करार दिए गए। मतदान मंगलवार सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे समाप्त हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत 760 से अधिक सांसदों ने मतदान किया।

लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं तथा इसमें व्हिप जारी नहीं होता है। देश के 17वें उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं) एवं 12 मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल थे।

निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। बीजू जनता दल (बीजद), भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था।

CM की सुरक्षा में बदलाव, सीआरपीएफ और दिल्ली पुलिस संयुक्त रूप से संभालेंगे कमान

नई दिल्ली- दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सशस्त्र सुरक्षा घेरे में बदलाव करते हुए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कमांडो को आंतरिक घेरे की सुरक्षा और पुलिस के जवानों को बाहरी घेरे की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन दोनों बल राष्ट्रीय राजधानी और देश के बाकी हिस्सों में रेखा गुप्ता की यात्रा के दौरान और उनके आधिकारिक आवास पर उन्हें जेड श्रेणी स्तर की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त रूप से काम करेंगे।

सीआरपीएफ के सशस्त्र कमांडो निकट सुरक्षा दल (सीपीटी) का हिस्सा होंगे। निकट सुरक्षा दल, अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) और उनसे मिलने वाले लोगों के बीच दूरी बनाते हुए सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री के घर या उनकी उपस्थिति वाले किसी भी अन्य स्थान की बाहरी सुरक्षा, घर की सुरक्षा का काम करेगी।

रेखा गुप्ता (51) पर 20 अगस्त की सुबह सिविल लाइंस इलाके में उनके कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने हमला किया था, जिसके बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई थी। इसके बाद, मुख्यमंत्री की सुरक्षा अस्थायी तौर पर दिल्ली पुलिस से सीआरपीएफ को सौंप दी गई थी।

बाद में केंद्रीय अर्धसैनिक बल के जवानों को वापस बुला लिया गया था। हालांकि केंद्रीय खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा संयुक्त समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री की सुरक्षा में नए सिरे से बदलाव किया गया। अब सीआरपीएफ व दिल्ली पुलिस मिलकर यह काम संभालेंगे।

भारत-ईरान द्विपक्षीय राजनीतिक परामर्श: भारत ने ईरान से तेल आयात पर दिया जोर

नई दिल्ली। भारत और ईरान के बीच वार्षिक द्विपक्षीय राजनीतिक परामर्श की बैठक 8 सितंबर 2025 को तेहरान में आयोजित हुई। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित यह बैठक द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुई।

भारत और ईरान के बीच आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के संयुक्त सचिव (पीएआई) आनंद प्रकाश और ईरान के विदेश मंत्रालय के दक्षिण एशिया प्रभाग के महानिदेशक मोहम्मद रेजा बहरामी ने की।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने 1950 में स्थापित राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ को याद किया। उन्होंने आपसी हितों के अनुरूप संबंधों को और विकसित और प्रगाढ़ बनाने की अपनी तत्परता पर बल दिया।

परामर्श में द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण पहलुओं की गहन समीक्षा की गई। कनेक्टिविटी के क्षेत्र में विशेष जोर दिया गया, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) प्रमुख रहा।

आईएनएसटीसी, जो भारत को ईरान के चाबहार बंदरगाह के माध्यम से यूरोप और रूस से जोड़ता है, क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने में सक्षम है।

दोनों पक्षों ने आर्थिक, वित्तीय, व्यापार और वाणिज्यिक मामलों पर चर्चा की, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विस्तार शामिल था।

ईरान ने चाबहार बंदरगाह के विकास में भारत की भूमिका की सराहना की, जबकि भारत ने ईरानी तेल आयात और तकनीकी सहयोग पर जोर दिया। इसके अलावा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्रों में नई पहलों पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। अफगानिस्तान, मध्य पूर्व शांति प्रक्रिया और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर भी सहमति बनी। संयुक्त राष्ट्र तथा अन्य क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय संगठनों, जैसे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और ईरान के साथ भारत की भागीदारी को मजबूत करने पर बल दिया गया। दोनों देशों ने आतंकवाद, नशीले पदार्थों की तस्करी और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में वार्षिक राजनीतिक परामर्श के नियमित आयोजन पर संतोष व्यक्त किया गया। अगला दौर 2026 में नई दिल्ली में आयोजित होगा, जो संबंधों को संस्थागत बनाने की दिशा में सकारात्मक कदम है। विदेश मंत्रालय के अनुसार ये परामर्श भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' और 'एक्ट वेस्ट' नीतियों को मजबूत करेंगे।

मोदी के बाद अब राहुल भी करेंगे हिमाचल तथा पंजाब का दौरा

नयी दिल्ली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बाढ़ ग्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार श्री गांधी की यात्रा का समय अभी निश्चित नहीं हुआ है लेकिन वह इसी सप्ताह हिमाचल प्रदेश और पंजाब जाएंगे और वहां बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि श्री गांधी बाढ़ की स्थिति पर बराबर नजर रखे हैं और उनका कहना है कि वह पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनका कहना था कि श्री गांधी बाढ़ की स्थिति को लेकर बराबर हिमाचल सरकार के संपर्क में है। यह पूछने पर कि क्या श्री गांधी बाढ़ पीड़ित उत्तराखंड भी जाएंगे।

सूत्रों ने कहा कि इसकी अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश में इस पूरे मौसम में जगह-जगह बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं हो रही है जिसके कारण राज्य को जन धन का भारी नुकसान हुआ है। पंजाब और हरियाणा में बाढ़ के कारण तबाही मची है और जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है।

अंबाला के विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग

चंडीगढ़- हरियाणा के अंबाला स्थित विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरे मॉल को अपनी चपेट में ले लिया।

आग का पता सबसे पहले तब चला जब मॉल के प्रवेश द्वार पर लगे शीशे के पैनल भीषण गर्मी के कारण टूटने लगे और इमारत से घना धुआँ निकलने लगा।

स्थानीय कर्मचारियों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी और आज सुबह करीब 9:00 बजे तीन दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। हालाँकि, आग के तेज़ी से फैलने के कारण अग्निशमन कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ज्वलनशील कपड़ों से लगी आग पर काबू पाना मुश्किल साबित हुआ। गिरते शीशे के कारण दमकलकर्मियों और आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर जाना पड़ा। अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। लगभग दो घंटे से चल रहे अग्निशमन अभियान ने सतह पर लगी आग पर आंशिक रूप से काबू पा लिया है, लेकिन इमारत के विभिन्न हिस्सों में आग अभी भी सुलग रही है। दमकलकर्मी अंदर की स्थिति का सावधानीपूर्वक आकलन कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब और हिमाचल प्रदेश का हवाई सर्वेक्षण किया

पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश के लिए 1500 करोड़ रुपये की घोषणा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पंजाब और हिमाचल प्रदेश का दौरा किया और दोनों राज्यों के प्रभावित इलाकों में बाढ़ की स्थिति और बादल फटने व भारी बारिश से हुए नुकसान की समीक्षा की।

इसके बाद, उन्होंने गुरदासपुर में अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ एक आधिकारिक समीक्षा बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी ने राहत और पुनर्वास उपायों की समीक्षा की और पंजाब में हुए नुकसान का आकलन भी किया।

प्रधानमंत्री ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे।

कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। जिन बोरवेलों में गाद भर गई है या जो बह गए हैं, उनके नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार के विशिष्ट प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत परियोजना मोड पर सहायता प्रदान की जाएगी।

डीज़ल से चलने वाले बोरवेल पंपों के लिए, सौर पैनलों के लिए एमएनआरई के साथ अभिसरण और प्रति बूंद अधिक फसल दिशानिर्देशों के तहत सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत, पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत 'विशेष परियोजना' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए पात्र परिवारों को घरों के पुनर्निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के बाढ़ और वर्षा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया और राज्य के लिए 1,500 करोड़ रुपये के वित्तीय सहायता पैकेज की घोषणा की। वित्तीय पैकेज की घोषणा मोदी द्वारा कांगड़ा में बादल फटने, भूस्खलन और लगातार बारिश से हुए विनाश के पैमाने का आकलन करने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक में स्थिति की समीक्षा के बाद की गई। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख और गंभीर रूप से घायलों के लिए 50,000 की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और अपनी संवेदना व्यक्त की। मोदी ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना और आपदा मित्र स्वयंसेवकों के कर्मियों से बातचीत की और राहत एवं बचाव कार्यों में उनके अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार उनके साथ मिलकर काम करेगी।

डा. सतीश पूनिया और मोहन लाल बड़ौली ने राहत सामग्री के तीन ट्रकों को पंजाब के लिए किया रवाना

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने मंगलवार को पंचकूला स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पंच कमल से राहत सामग्री के तीन ट्रकों को पंजाब के लिए रवाना किया। ट्रकों को रवाना करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए डा. सतीश पूनिया ने कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की नीति और नीयत अच्छी नहीं है, इसलिए लोगों ने कांग्रेस पार्टी को नकार दिया है। उन्होंने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। डा. पूनिया ने कहा कि राहुल गांधी पार्ट टाइम पॉलिटिशयन हैं। राहुल गांधी कब देश में रहते हैं और कब विदेश में पता ही नहीं चलता। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, विधायक योगेंद्र राणा, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल और प्रदेश मीडिया सह प्रभारी नवीन गर्ग आदि मौजूद रहे।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि भाजपा हमेशा सामाजिक संवेदनाओं के साथ काम करने वाली पार्टी है। भाजपा राजनीति को केवल चुनाव तक सीमित नहीं रखती, बल्कि मानवता के लिए विस्तृत रूप से कार्य करती है। डा. पूनिया ने कहा कि मोदी व नायब सरकार किसानों के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद पंजाब का संज्ञान लिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान खुद पंजाब में किसानों से मिले हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब, जम्मू, हिमाचल प्रदेश को 5-5 करोड़ रुपये की सहायता राशि दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा भाजपा के कार्यकर्ता सामाजिक तौर पर राहत सामग्री पंजाब और हिमाचल पहुंचा रहे हैं।

डा. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के तहत हमारे कार्यकर्ता जनता की सेवा के कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि राजनीति केवल नारों से नहीं सरोकारों से होती है और भाजपा केवल वोट और चुनाव की राजनीति नहीं करती, बल्कि सामाजिक सरोकार भाजपा के लिए पहले होते हैं।

एक सवाल पर डा. सतीश पूनिया ने कहा कि दूसरे दल का व्यक्ति जब नए दल में आता है तो उसमें राजनीति नहीं होती, बल्कि विचार होता है। भाजपा से अनेक विचारों के लोग जुड़ रहे हैं और देशहित व पार्टी हित में काम कर रहे हैं।

एक अन्य सवाल पर उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी के पास सियायत करने का काम ही बचा है। कांग्रेस पार्टी की फितरत है जब-जब देश पर संकट होता है तो कांग्रेस के लोग राजनीति करते हैं।

डा. पूनिया ने कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी संवैधानिक व्यवस्थाओं, संस्थाओं के बारे में विदेशों में जाकर दुष्प्रचार करते हैं। देश के कई राज्य बाढ़ से ग्रस्त है ऐसे समय में अच्छा होता कि कांग्रेस पार्टी को अपना खजाना खोलकर लोगों को सहायता करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की फितरत रही है कि वह बयानों तक सीमित रहकर अपनी राजनीति चमकाती है।

आपदा की घड़ी में जरूरतमंदों को मदद पहुंचाना नायब सरकार और संगठन का संकल्प : पंडित मोहन लाल बड़ौली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि संगठन और नायब सरकार आपदा की इस घड़ी में बाढ़ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक समय पर मदद पहुंचाना भाजपा का संकल्प है। बड़ौली ने कहा कि "पड़ोसी धर्म निभाते हुए भाजपा ने पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए फिर से राहत सामग्री भिजवाई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि पंजाब में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए भाजपा परिवार लगातार राहत कार्यों में जुटा हुआ है।

सी पी राधाकृष्णन के समृद्ध अनुभव से राष्ट्र की प्रगति में मिलेगी मदद: मुर्मु

नयी दिल्ली - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने श्री सी पी राधाकृष्णन को देश का नया उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा है कि उनके दशकों के समृद्ध अनुभव से राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार श्री राधाकृष्णन के मंगलवार को उपराष्ट्रपति चुनाव में विजयी घोषित किए जाने के बाद श्रीमती मुर्मु ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

श्रीमती मुर्मु ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "श्री सी. पी. राधाकृष्णन को भारत के उपराष्ट्रपति चुने जाने पर बधाई। सार्वजनिक जीवन में आपके दशकों के समृद्ध अनुभव राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मैं आपको एक सफल और प्रभावशाली कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ देती हूँ।"

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हुए चुनाव में श्री राधाकृष्णन इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को हराकर उपराष्ट्रपति चुने गए हैं।

मुख्यमंत्री ने शमानीं गांव में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार की रात को कुल्लू ज़िला की निरमंड तहसील के घाटू ग्राम पंचायत के शमानीं गांव में बादल फटने से हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस घटना में पांच लोगों की मृत्यु हो गई है और तीन अन्य घायल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना भी की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

उप-मुख्यमंत्री ने शमानीं गांव में हुई जनहानि पर शोक व्यक्त किया

शिमला। उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कुल्लू ज़िला की निरमंड तहसील के घाटू ग्राम पंचायत के शमानीं गांव में सोमवार की रात भूस्खलन में हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। भूस्खलन की घटना में पांच लोगों की मृत्यु हो गई है तथा तीन अन्य को सुरक्षित निकाला गया है। घटना पर दुख व्यक्त करते हुए उप-मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रभावितों को हर संभव सहायता सुनिश्चित करेगी। उन्होंने प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर चलाने के निर्देश दिए हैं।श्री अग्निहोत्री ने परमपिता परमात्मा से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

70 पदों के लिए कैंपस इंटरव्यू 15 सितम्बर को

सोलन । मैसर्ज़ एसआईएस लिमिटिड आर.टी.ए. हमीरपुर में सिक्योरटी गार्ड व सिक्योरटी सुपरवाईजर के 70 पदों पर भर्ती के लिए कैंपस इंटरव्यू 15 सितम्बर, 2025 को उप रोज़गार कार्यालय अर्की में आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी ज़िला रोज़गार अधिकारी सोलन जगदीश कुमार ने दी। जगदीश कुमार ने कहा कि उक्त पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं व विशिष्ट शारीरिक मापदंड ऊंचाई 168 सेमी, वज़न 52 से 95 किलोग्राम तक तथा आयु 19-40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन पदों की विस्तृत जानकारी आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. में प्राप्त कर सकते हैं। सभी योग्य एवं इच्छुक आवेदक विभागीय पोर्टल ई.ई.एम.आई.एस. पर कैंडिडेट लॉगइन टैब के माध्यम से पंजीकृत करने के उपरांत अपनी रेजिस्ट्रेशन प्रोफाइल पर अधिसूचित रिक्तियों के लिए अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आवेदन करने से पूर्व प्रत्येक आवेदक का नाम रोज़गार कार्यालय में पंजीकृत होना अनिवार्य है। जगदीश कुमार ने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार अपनी योग्यता सम्बन्धी सभी अनिवार्य प्रमाण पत्रों व दस्तावेज़ों सहित उप रोज़गार कार्यालय अर्की में 15 सितम्बर, 2025 को प्रातः 10.30 बजे पहुंचकर कैंपस इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि कैंपस इंटरव्यू में भाग लेने के लिए कोई भी यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार कार्यालय दूरभाष नम्बर 01792-227242 व मोबाइल नम्बर 78328-91722 तथा 94599-60764 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2025 में परवाणु शहर को देश में मिला दूसरा स्थान

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जिला सोलन के परवाणु शहर ने प्रतिष्ठित स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2025 में देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तवर्धन सिंह ने आज नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रदेश को स्वच्छ वायु सर्वेक्षण अवॉर्ड से सम्मानित किया।राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एक प्रवक्ता ने बताया कि यह सर्वेक्षण पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत करवाया गया था। देश के तीन लाख से कम आबादी वाले शहरों की श्रेणी में परवाणु शहर को देश के स्वच्छ वायु शहरों में दूसरे स्थान पर आंका गया है। इस श्रेणी में हिमाचल प्रदेश को 25 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि इस क्षेत्र में वायु गुणवत्ता को बनाए रखने में नवाचार पहल के लिए प्रेरित करेगी। प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के दूरदर्शी नेतृत्व में सतत् विकास और पर्यावरण संरक्षण दृष्टिगत लिए गए निर्णयों के परिणास्वरूप यह उपलब्धि हासिल की गई है। यह पुरस्कार हिमाचल प्रदेश प्रदूषण बोर्ड, स्थानीय प्रशासन और शहर के लोगों के समावेशी और समर्पित प्रयासों को प्रदर्शित कर रहा है। इस सम्मान के रूप में राष्ट्रीय मंच पर हिमाचल प्रदेश को एक और उपलब्धि हासिल हुई है। यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण, सतत् विकास और जन स्वास्थ्य की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा।

निक्षय मित्र कार्यक्रम में निरंकारी सत्संग मिशन ने दिखाई सामाजिक जिम्मेदारी

टीबी मरीजों को वितरित किए पोषण किट्स व विटामिन

धर्मशाला । निक्षय मित्र कार्यक्रम के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संत निरंकारी मिशन की ओर से आज जिला कांगड़ा में क्षय रोग (टीबी) से पीड़ित मरीजों को पोषण किट्स और विटामिन वितरित किए गए। जोनल अस्पताल धर्मशाला के बैठक कक्ष में आयोजित इस समारोह में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कांगड़ा डॉ. अनुराधा शर्मा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के.सूद एवं संत निरंकारी मिशन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनुराधा शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि निक्षय मित्र कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को जोड़कर टीबी उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति करना है। उन्होंने निरंकारी सत्संग भवन द्वारा दिए गए इस सहयोग की सराहना की और कहा कि पोषण सहयोग मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में अत्यंत सहायक होगा।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के.सूद ने भी निरंकारी सत्संग भवन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का यह योगदान न केवल मरीजों की पोषण जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाता है। संत निरंकारी मिशन के जोनल प्रभारी डॉ. केसी धीमान ने कहा कि उनकी संस्था सदैव मानवता की सेवा को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि टीबी मरीज समाज का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता है। हमारा प्रयास है कि इन पोषण किट्स से मरीजों को रोग से लड़ने की शक्ति मिले और वे स्वस्थ जीवन की ओर अग्रसर हों। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि निरंकारी मिशन भविष्य में भी स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर समाज के जरूरतमंद वर्गों को सहायता प्रदान करता रहेगा। संत निरंकारी मिशन के क्षेत्रीय संचालक तिलक डोगरा ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि मानवता की सच्ची सेवा ही मिशन का मूल उद्देश्य है। टीबी जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए पोषण किट एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना केवल सेवा ही नहीं, बल्कि हमारे समाज के प्रति कर्तव्य भी है। हमारे लिए यह सेवा गतिविधि केवल मरीजों तक सहयोग पहुँचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन्हें यह भरोसा दिलाने का प्रयास भी है कि समाज उनके साथ खड़ा है। इस अवसर पर एचएमटीबीए की सलाहकार शिल्पी ने भी निक्षय मित्र कार्यक्रम के बारे में अपने विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. केसी धीमान की पत्नी आशा, निरंकारी मिशन दाड़ी जोन की संचालक रूपा गुरूंग, विश्व स्वास्थ्य संगठन के सलाहकार डॉ. निकेत, विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक (एसटीएस), जिला टीबी सेंटर के कर्मचारी और क्षय रोगी उपस्थित थे।

स्कूली पाठ्यक्रम में हिमाचल का इतिहास किया जाएगा शामिल: शिक्षा मंत्री

शिमला। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने स्कूली पाठ्यक्रम में संशोधन पर विचार-विमर्श के लिए आज यहां एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पाठ्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के समृद्ध इतिहास, साहित्य, संस्कृति और कला को शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने एक ऐसा पाठ्क्रम तैयार करने के निर्देश दिए जिसमें राज्य के प्राचीन मंदिर, मठ, किले, ऐतिहासिक स्थल, पारंपरिक वास्तुकला, बोलियां, लोक कलाएं, हस्तशिल्प, मेले, त्योहार और ऐतिहासिक आन्दोलनों को शामिल किया जा सके। उन्होंने हिमाचल के संदर्भों को शामिल कर छठी से बारहवीं कक्षा तक की एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों को प्रासंगिक बनाने को कहा ताकि बच्चों में प्रदेश के प्रति गर्व और अपनेपन की भावना विकसित की जा सके। उन्होंने जनरल ज़ोरावर सिंह, वज़ीर राम सिंह पठानिया, डॉ. वाई.एस. परमार जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और कैप्टन विक्रम बतरा, मेजर सोमनाथ शर्मा और कैप्टन सौरभ कालिया जैसे शहीदों की वीरगाथाओं से बच्चों में देशभक्ति का जज्बा जगाने पर बल दिया। इस तरह के समावेश से छात्रों का राज्य के साथ जुड़ाव मज़बूत होगा और इससे प्रतियोगी परीक्षाओं विद्यार्थियों को सहायता मिलेगी।

शिक्षा मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि आपदा प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, हरित ऊर्जा और सतत विकास जैसे समसामयिक मुद्दों को भी पाठ्यक्रमों शामिल किया जाए। आपदा प्रबधंन से जुड़ी शिक्षा व्यावहारिक और गतिविधि-आधारित होनी चाहिए ताकि बच्चे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। उन्होंने कहा कि पाठ्यक्रम को बढ़ाने के बजाय उसे रूचिकर बनाया जाए ताकि बच्चों का ज्ञानवर्द्धन किया जा सके। उन्होंने कहा कि बच्चों को सार्थक ज्ञान दिया जाए और रटने के बजाय रूचिकर तरीके से बच्चों को पढ़ाया जाए। उन्होंने कार्यशालाओं, क्षेत्रीय भ्रमण, दृश्य सामग्री और व्यावहारिक अभ्यासों के माध्यम से सीखने को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। उन्होंने स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर भी बल दिया।

रोहित ठाकुर ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) को निर्देश दिया कि वह अपनी वेबसाइट और पोर्टल के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के उपलब्ध शिक्षण सामग्री तक आसान पहुंच के लिए क्यूआर कोड और डिजिटल लिंक के साथ प्रदान करे। बैठक के दौरान संशोधित पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। अधिसूचना के पश्चात यह समिति हिमाचल के संदर्भ में एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा तथा आवश्यक संशोधन करेगी। समिति समग्र व स्थानीय रूप से प्रासंगिक शिक्षा के लिए पूरक सामग्री तैयार करेगी।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महावीर सिंह ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने आपदा प्रबंधन, हरित ऊर्जा और कौशल विकास जैसे आधुनिक विषयों के साथ हिमाचल की विरासत को एकीकृत किया है जिससे विद्यार्थियों को सीखने के बेहतर अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमरजीत के. शर्मा, परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा राजेश शर्मा, स्कूल शिक्षा निदेशक आशीष कोहली और हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड और एससीईआरटी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

खण्ड विकास अधिकारियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित

सोलन। उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि सोलन ज़िला में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत 2.99 लाख कार्य दिवस अर्जन के लक्ष्य के विरूद्ध 2.96 लाख कार्य दिवस अर्जित किए गए हैं। मनमोहन शर्मा आज यहां खण्ड विकास अधिकारियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

मनमोहन शर्मा ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि गत दिनों ज़िला में भारी वर्षा के कारण हुए नुकसान का स्थल पर जाकर आकलन कर रिपोर्ट उपमण्डलाधिकारी को प्रेषित करना सुनिश्चित बनाएं ताकि मनरेगा के तहत क्षतिग्रस्त हुए रास्ते, डंगे आदि को शीघ्र ठीक करवाए जा सकें। उपायुक्त ने कहा कि ज़िला सोलन में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत विशेष परियोजना के तहत ज़िला में 798 आवासों का निर्माण किया गया है। उन्होंने योजना के अंतर्गत शेष मकानों का कार्य 30 सितम्बर, 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ज़िला के समस्त गांव को खुले में शौच मुक्त (ओ.डी.एफ.) मॉडल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कूड़ा पृथकीकरण के लिए एक शेड का निर्माण के साथ-साथ सोखता गढ्ढ़ो का निर्माण करवाना भी सुनिश्चित करें। उन्होंने खण्ड स्तर पर प्लास्टिक कचरा संयंत्र चिन्हित कर निर्माण करवाने के निर्देश भी दिए। इससे जहां प्लास्टिक कचरे का निष्पादन होगा वहीं पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा।

मनमोहन शर्मा ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत खण्ड विकास अधिकारी धर्मपुर तथा कण्डाघाट को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर उपयुक्त स्थान का चयन करें ताकि चिन्हित स्थान पर हिम ईरा दुकान का निर्माण किया जा सके। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ज़िला में गठित स्वयं सहायता समूहों को अन्य क्रियाकलापों के अतिरिक्त दूध उत्पादन के लिए भी प्रेरित करें। उपायुक्त ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मनरेगा के तहत चल रहे विकास कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करें तथा विकास कार्यों में प्रयोग होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर बल दें।

इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सोलन एवं ज़िला ग्रामीण विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक राहुल जैन, ज़िला पंचायत अधिकारी जोगिन्द्र राणा, समस्त विकास खण्ड अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शूलिनी यूनिवर्सिटी एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में हिमाचल प्रदेश में शीर्ष पर, राज्य की सभी विश्वविद्यालयों से आगे

सोलन । शूलिनी यूनिवर्सिटी ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) 2025 में हिमाचल प्रदेश की सबसे उच्च रैंक प्राप्त कर अपनी स्थिति को और सुदृढ़ कर लिया है। यह राज्य की एकमात्र यूनिवर्सिटी है जो देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुई है, जो शिक्षा और शोध क्षेत्र में इसकी स्पष्ट नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है। इस बार शूलिनी ने विश्वविद्यालय श्रेणी में 69वां स्थान प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष की 70वीं रैंक से सुधार है। इसके अतिरिक्त, यूनिवर्सिटी ने फार्मेसी में 44वीं रैंक हासिल की, इंजीनियरिंग में 101ङ्क150 बैंड में स्थान प्राप्त किया और नए जोड़े गए सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (स्डत्न) रैंकिंग में 11ङ्क50 बैंड में स्थान बना लिया। यह यूनिवर्सिटी की विशेषज्ञता क्षेत्रों और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जहां राज्य के अन्य विश्वविद्यालय अपनी रैंकिंग बनाए रखने या सुधारने में संघर्ष कर रहे हैं, वहीं शूलिनी ने लगातार सुधार का ट्रेंड दिखाया है। यह निरंतर उन्नति यूनिवर्सिटी के समर्पित प्रयासों का परिणाम है, जिसमें शोध, शिक्षण गुणवत्ता और संस्थागत विकास को प्रमुखता दी जा रही है। चांसलर प्रो. पी.के. खोसला ने शूलिनी परिवार को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ÷इस वर्ष हमने अपनी एनआईआरएफ रैंकिंग में एक स्थान की वृद्धि करते हुए 70 से 69 पर पहुँचाया है। हमारा अगला लक्ष्य टॉप 50 में प्रवेश करना है। यह उद्देश्य पूरे विश्वविद्यालय समुदाय की संयुक्त निष्ठा और सहयोग से पूरा किया जा सकता है।÷

प्रो वाइस चांसलर श्री विशाल आनंद ने कहा, ÷यह उपलब्धि हमारे फैकल्टी, छात्रों और स्टाफ की बेहतरीन मेहनत का परिणाम है। हमारा ध्यान अब शीर्ष 50 रैंक हासिल करने पर केंद्रित है। शोध हमेशा से शूलिनी यूनिवर्सिटी की आत्मा रहा है, और हम इसे और आगे बढ़ाने के लिए मजबूत सहयोग, प्रभावशाली प्रकाशन, और नवप्रवर्तकों की अगली पीढ़ी को मार्गदर्शन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।÷ वाइस चांसलर प्रो. अतुल खोसला ने कहा, ÷यह उपलब्धि शूलिनी यूनिवर्सिटी की नवाचार और उत्कृष्टता का प्रमाण है। एनआईआरएफ 2025 के परिणाम हमें दुनिया की प्रमुख विश्वविद्यालयों में शामिल होने की दिशा में प्रेरित करते हैं। हर मान्यता हमारे संकल्प को मजबूत करती है कि हम शिक्षा, शोध और सामाजिक प्रभाव के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करें।÷ शूलिनी यूनिवर्सिटी की लगातार चढ़ाई और एनआईआरएफ 2025 में मजबूत स्थिति इसे हिमाचल प्रदेश का अग्रणी निजी विश्वविद्यालय बनाती है। यह भारत में स्थिर शैक्षणिक प्रगति और संस्थागत उत्कृष्टता का मॉडल भी प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्र से विशेष राहत पैकेज की मांग की

समीक्षा बैठक के दौरान प्रधानमंत्री के समक्ष हिमाचल से जुड़े विभिन्न मामलों को उठाया

शिमला। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश में इस मानसून के दौरान भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके उपरांत उन्होंने कांगड़ा हवाई अड्डे में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को इस मानसून सीजन में भारी बारिश के कारण हुए नुकसान से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को प्रदेश के सीमित संसाधनों से हर संभव सहायता प्रदान कर रही है। लेकिन प्रभावितों को राहत प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार से तत्काल अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। श्री सुक्खू ने वन संरक्षण अधिनियम के तहत छूट प्रदान करने का आग्रह किया ताकि विस्थापित परिवारों को वन भूमि पर बसाया जा सके क्योंकि हिमाचल प्रदेश में 68 प्रतिशत भूमि वन भूमि के तहत है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि भारी बारिश के कारण हुए नुकसान की भरपाई के लिए राज्य के संसाधन अपर्याप्त हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से विशेष राहत पैकेज की मांग की। इसके अतिरिक्त उन्होंने केंद्र से दो प्रतिशत अतिरिक्त उधार सीमा की अनुमति देने का आग्रह किया ताकि प्रभावितों को प्रभावी तरीके से राहत प्रदान की जा सके।

आपदा के कारण क्षतिग्रस्त सरकार की परियोजनाओं के लिए अपर्याप्त सहायता को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने वर्तमान मापदंडों में संशोधन पर बल देते हुए कहा कि क्षतिग्रस्त परियोजनाओं के सुधार कार्यों में नई परियोजनाओं के निर्माण कार्यों की तुलना में अधिक व्यय होता है। अभी तक राज्य सरकार को बहुत कम और विलंब से सहायता मिल रही है। बाढ़ की स्थिति में महीनों तक बंद रहने वाली राज्य की जल विद्युत परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान फ्रेक वर्क में इस प्रकार की क्षति का आकलन नहीं किया जाता है। उन्होंने केंद्र से अनुरोध किया कि हिमाचल की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इस दृष्टिकोण पर पुनर्विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने राज्य की विकासात्मक परियोजनाओं के लिए केंन्द्रीय सहायता की मांग की। इसके अतिरिक्त उन्होंने जलविद्युत उत्पादन से मुफ्त रॉयलिटी की मांग, 40 वर्षो के उपरांत केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के स्वामित्व वाली बिजली परियोजनाओं को राज्य को हस्तातंरित करने की हिमाचल की मांग को भी दोहराया। उन्होंने कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण परियोजनाओं के अन्तर्गत ऑल वेदर सुरंगों के निर्माण और प्रतिकूल मौसम की स्थिति में संपर्क सुविधा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक पर्वतीय मार्गों के विकास के लिए भी केंद्र से सहयोग का आग्रह किया। कुल्लू से मनाली जाने वाले यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत महत्त्वपूर्ण भूभूजोत सुरंग परियोजना संबंधी मामला भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने और प्रदेश के लिए बहुमूल्य समय देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया। बैठक में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठाानिया, कृषि मंत्री चंद्र कुमार, आयुष मंत्री यादविन्द्र गोमा, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज और कंगना रणौत, उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, अतिरिक्त मुख्य सचिव के.के. पंत और मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत डांगरी में मिशन शक्ति के तहत जागरूकता शिविर आयोजित

सोलन । महिला एवं बाल विकास विभाग सोलन द्वारा आज सोलन की ग्राम पंचायत डांगरी में मिशन शक्ति के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता जन शिक्षण संस्थान के निदेशक हरमिंदर वर्मा ने की।

उन्होंने जन शिक्षण संस्थान द्वारा किशोरियों व महिलाओं के कौशल विकास के लिए कार्यान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जन शिक्षण संस्थान सोलन द्वारा सहायक ड्रेस मेकर, दर्ज़ी, ब्यूटी केयर सहायक इत्यादि कोर्स निःशुल्क करवाए जाते है। उन्होंने कहा कि इच्छुक उम्मीदवार जन शिक्षण संस्थान सोलन से सम्पर्क कर सकते हैं।

ज़िला मिशन समन्वयक सोलन रेनू शर्मा ने इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम, दहेज निषेध अधिनियम, यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 व अन्य महिला केन्द्रित कानूनों के बारे में विस्तापूर्वक जानकारी प्रदान की। जन शिक्षण संस्थान सोलन की कार्यक्रम समन्वयक दीपिका शर्मा ने भी इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के तहत कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के बारे में उपस्थित महिलाओं को विस्तृत जानकारी प्रदान की। जागरूकता शिविर में वन स्टॉप सेंटर के सेंटर प्रबंधक नीलम मेहता सहित लगभग 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नंः 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

चले श्याम सुंदर से मिलने सुदामा...

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। गोपाल गोलोक धाम कैम्बाला गोशाला, चण्डीगढ़ द्वारा धेनुमानस गो कथा का आयोजन किया गया जिसमें आचार्य सीता शरण जी महाराज कथा व्यास थे। आज कथा विराम के अवसर सुबह हवन-यज्ञ हुआ। तत्पश्चात आचार्य सीता शरण जी महाराज ने भगवान के अनेक प्रसंगो के साथ कृष्ण-सुदामा मिलन प्रसंग कथा में बताया कि गरीब ब्राह्मण सुदामा अपनी पत्नी सुशीला के कहने पर ना चाहते हुए भी द्वारिका जाने को तैयार होते हैं। सुदामा को कृष्ण से मिलने से द्वारपाल रोकता है। सखा कृष्ण सुदामा से मिलने के लिए अपने सिंहासन से उतरकर नंगे पांव दौड़ पड़ते हैं। इसके बाद कृष्ण सुदामा को गले लगाकर बचपन की बातें करते हैं। अंत मे सुदामा के अपने गांव जाने पूर्व श्री कृष्ण सुदामा के घर को महल में तब्दील कर धन धान्य से भरपूर कर देते हैं। उन्होंने ये सारा प्रसंग कथा और चले श्याम सुंदर से मिलने सुदामा गीत के माध्यम से सुनाया। आज की कथा में मुख्य अतिथि एरिया पार्षद जसविंदर कौर, आचार्य ईश्वर चंद शास्त्री, पूर्व प्रधान, देवालय पूजक परिषद, पंडित चन्दर भूषण सहित चेतन्य, पवन जैन, जेपी मित्तल, सुनीता गर्ग, जीरकपुर गौ सेवा समिति के सदस्य सहित समस्त गोधाम के कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम उपरांत आरती कर भंडारा वितरित किया गया।

बाढ़ पीड़ित पंजाब के लिए जिला पंचकूला से राहत सामग्री भेजी

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)।जामिया हिदायतुल इस्लामिया पब्लिक स्कूल, अम्बवाला कोटियां (जिला पंचकूला) तथा मदरसे के ज़िम्मेदार लोगों ने गांव व आसपास के क्षेत्र के निवासियों के सहयोग से बाढ़ पीड़ित पंजाब के लिए बड़ी मात्रा में राहत सामग्री एकत्रित की।

इस मुहिम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और दवाइयाँ, आटा, दाल, चावल, घी, तेल, चप्पल समेत अन्य ज़रूरी सामान इकट्ठा किया गया। राहत सामग्री लगभग 10 लाख रुपये की है।

यह सामग्री सात पिकअप गाड़ियों में भरकर पंजाब रवाना की गई। गाड़ियों को रवाना करने के अवसर पर इलाके के तहसीलदार, डीएसपी, एसएचओ तथा मदरसे के मोहतमिम मौलाना मोइनुद्दीन मौजूद रहे।

गांव और क्षेत्र के लोगों ने एकजुट होकर ज़रूरतमंदों की मदद की इस मुहिम को भाईचारे, मानवता और आपसी सौहार्द की जीवंत मिसाल बताया। उनका कहना था कि मुसीबत की घड़ी में इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है और एक-दूसरे के काम आना ही असली इबादत है।

चंडीगढ़ में सगल फाउंडेशन व निष्काम सेवक जत्था ने लगाया बाढ़ पीड़ितों के लिए विशाल चिकित्सा शिविर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सगल फाउंडेशन और निष्काम सेवक जत्था चंडीगढ़ द्वारा, ब्राइट ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-23, चंडीगढ़ तथा व्यापार मंडल चंडीगढ़ के सहयोग से पंजाब बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए एक विशाल चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से आए लोगों की न केवल मुफ़्त मेडिकल जांच की गई, बल्कि उन्हें आवश्यक दवाइयाँ भी उपलब्ध कराई गईं।

शिविर का मुख्य उद्देश्य बाढ़ से प्रभावित परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से राहत दिलाना था। बाढ़ के बाद फैलने वाली बीमारियों को देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया और उन्हें साफ-सफाई व रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जागरूक किया। इसी के साथ, शिविर में प्रभावित क्षेत्रों के पशुओं की जांच और इलाज भी किया गया। कई जगहों पर बाढ़ के कारण मवेशियों के बीमार होने की समस्या सामने आई थी, जिसके समाधान के लिए वेटरनरी डॉक्टरों ने जानवरों का उपचार किया और उन्हें ज़रूरी दवाइयाँ उपलब्ध कराईं। सगल फाउंडेशन, निष्काम सेवक जत्था, ब्राइट ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर-23 और व्यापार मंडल चंडीगढ़ के इस संयुक्त प्रयास की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की। आयोजकों का कहना है कि इस तरह के सहयोग और सेवाभाव से ही बाढ़ पीड़ितों को वास्तविक राहत पहुंचाई जा सकती है।

पंजाब सरकार बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास हेतु – राहत कार्यों में पूरी ताकत से जुटी

हरजोत सिंह बैंस ने निरीक्षण किया, नुकसान हुए मकानों का जायजा लिया, बुनियादी ढांचे को पुनःस्थापित करने के निर्देश दिए

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब सरकार बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए हर संभव उपाय कर रही है। कैबिनेट मंत्री, विधायक तथा पूरा प्रशासन जमीनी स्तर पर लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इस संकट की घड़ी में समाजसेवी संस्थाओं और आम जनता की भी महत्वपूर्ण भागीदारी मिल रही है।

कैबिनेट मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने आज श्री आनंदपुर साहिब के बेलिया के दर्जनों बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। उन्होंने गांव डाढ़ा में चल रहे राहत कार्यों का जायजा लिया और पशुओं के लिए चारा वितरित किया। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत निरीक्षण पूरा करने, नुकसान हुए मकानों का मूल्यांकन करने, सड़कों की मरम्मत करने और जल-विद्युत आपूर्ति को निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि बाढ़ के कारण प्रभावित लोगों को किसी भी प्रकार की कमी महसूस न हो। उन्होंने कहा कि सरकार प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए भी कार्य कर रही है ताकि लोगों की जिंदगी पुनः पटरी पर आ सके।

कैबिनेट मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने लुधियाना में

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि पानी और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए सक्रिय उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जैसे ही बाढ़ का पानी हटेगा, स्वास्थ्य टीमें गांव-गांव घर-घर सर्वेक्षण करेंगी। पानी के स्रोतों की क्लोरीनेशन, प्रभावित इलाकों में फॉगिंग, और स्कूलों में आर.ओ. सिस्टम लगाकर लोगों को साफ पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि किसी भी बीमारी का खतरा न रहे।

कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने मंगलवार को मंडी गोबिदगढ़ से राहत सामग्री से भरा एक और ट्रक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भेजा। इससे पहले उन्होंने तीन ट्रक खन्ना से फाजिल्का भेजे थे। मंडी गोबिदगढ़ स्थित एच.एफ. सुपर मिल्क प्लांट से भेजे गए राहत सामग्री के ट्रक में सोलर लाइटें, तिरपाल आदि शामिल थे। इस सहायता के लिए उन्होंने मिल्क प्लांट के मालिक विनोद कुमार दत्त का विशेष धन्यवाद किया।

वहीं, जल स्रोत मंत्री बरिंदर कुमार गोयल हलका लहरागागा से होकर घग्गर नदी के नजदीकी क्षेत्रों का दौरा कर पूरे दिन राहत और बचाव कार्यों का निरीक्षण करते रहे।

उन्होंने बताया कि 10 सितंबर तक घग्गर नदी में 4-5 इंच पानी घट जाएगा। उन्होंने कहा कि 9 सितंबर को घग्गर नदी में 750.5 फुट (14425 क्यूसेक्स) पानी बह रहा था। विभाग द्वारा लगाए गए अनुमानानुसार कल तक 4-5 इंच पानी कम होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियाँ इसी तरह बनी रहीं तो अगले 4-5 दिनों में घग्गर नदी का पानी खतरे के निशान से नीचे आ जाएगा। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा जिला प्रशासन और आम लोगों के सहयोग से 18 किलोमीटर में फैले घग्गर क्षेत्र की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। विभाग के बेलदार से लेकर निगरानी इंजीनियर तक अधिकारी बांध पर लगातार ड्यूटी पर तैनात हैं।

डेरा बस्सी क्षेत्र के विधायक स कुलजीत सिंह रंधावा ने आज लालड़ू अनाज मंडी से बाढ़ पीड़ित लोगों के लिए राहत सामग्री रवाना की। उन्होंने बताया कि डेरा बाबा नानक के गांव शाहपुर जाजां में बाढ़ के कारण लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी बुरी तरह प्रभावित हुई है। गांव के कई परिवार अपना घर, पशु पालन और रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बाढ़ में खो बैठे हैं। उन्होंने कहा कि इस संकट की घड़ी में उनकी सहायता हेतु अन्य सहयोगियों के साथ आज लालरू से दो ट्रक भेजे गए हैं, जिनमें एक ट्रक पशुओं के लिए फीड और दूसरा ट्रक चोकर का भेजा गया है।

विधायक ने कहा कि बाढ़ ने प्रदेश के कई इलाकों में बड़ा नुकसान किया है। इस समय सभी लोगों, संस्थाओं और सरकार को मिलकर काम करने की जरूरत है ताकि बाढ़ पीड़ित लोगों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन में वापस लाया जा सके।

जलालाबाद के विधायक श्री जगदीप कांबोज गोल्डी ने अपने क्षेत्र के गांव आतू वाला के लिए 5.63 लाख रुपए की कश्ती उपलब्ध करवाई। उन्होंने कहा कि सरकार जरूरतमंद लोगों को राशन और पशुओं के लिए कैटल फीड उपलब्ध करा रही है। इसके अलावा उन्होंने राज्य सरकार द्वारा लिए गए अहम फैसलों का भी उल्लेख किया, जैसे किसानों को प्रति एकड़ 20,000 रूपये का मुआवजा प्रदान करना और जिस का खेत उसकी रेत संबंधी भी प्रकाश डाला।

इसी कड़ी में फाजिल्का में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी कनवलप्रीत बराड़ और डिप्टी कमिश्नर अमरप्रीत कौर संधू ने फाजिल्का के गांव मौजम, राणा और सलेम शाह के राहत कैंपों का दौरा कर बच्चों में पोषण सामग्री और महिलाओं में स्वच्छता सामग्री का वितरण किया। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि मेडिकल और वेटरनरी टीमें तैनात हैं, पशुओं के लिए चारा उपलब्ध है। बच्चों के लिए आरजी क्लास और मोबाइल लाइब्रेरी भी शुरू की गई है। इस समय 14 कैंपों में 2761 लोग रह रहे हैं, जिनकी देखरेख के लिए वरिष्ठ अधिकारी तैनात हैं।

फ़ॉल्सली अक्यूज़्ड डे पर मौन शांतिपूर्ण प्रदर्शन

दहेज, वैवाहिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा व बलात्कार के मामलों में देश में 75 फीसदी से अधिक लोग बरी हो जाते हैं : रोहित डोगरा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आज फ़ॉल्सली अक्यूज़्ड डे (झूठे मुकदमों में फँसाए गए निर्दोषों का दिवस) के अवसर पर एनजीओ सेव इंडियन फ़ैमिली (एसआईएफ) ने ट्रिब्यून चौक पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। एसआईएफ, चण्डीगढ़ के अध्यक्ष रोहित डोगरा ने बताया कि इस दिन का उद्देश्य नागरिकों को यह जागरूक करना है कि भारत में झूठे मुकदमों की बढ़ती संख्या कैसे निर्दोष परिवारों को तोड़ रही है, करियर नष्ट कर रही है और न्यायिक व्यवस्था पर बोझ डाल रही !

उन्होंने बताया कि एनसीआरबी 2022 व न्यायालय के आंकड़ों ओर तथ्यों के अनुसार धारा 498ए (दहेज/वैवाहिक उत्पीड़न) लगभग 80 फीसदी मामले बरी या वापस हो जाते हैं। सिर्फ 12.9 फीसदी में दोषसिद्धि हुई। वर्ष 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने इसके दुरुपयोग को कानूनी आतंकवाद कहा था। बलात्कार के मामलों में भारत में 75 फीसदी से अधिक लोग बरी हो जाते हैं। बलात्कार मामलों में सिर्फ 25-28 फीसदी दोषसिद्धि होती है। अनेक मामले असफल रिश्तों, पारिवारिक दबाव या आर्थिक वसूली के लिए दर्ज होते हैं। घरेलू हिंसा, एससी एसटी एक्ट व यूएपीए आदि की मामलों में भी लगभग यही हाल है।

रोहित डोगरा ने कहा, झूठे मुकदमों के चलते निर्दोष परिवार वर्षों तक मुकदमों, मानसिक पीड़ा और आर्थिक नुकसान से जूझते हैं। न्यायालय फ़िज़ूल मुक़दमों

से बोझिल हो रहे हैं। सच्चे पीड़ितों की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। झूठे आरोपों के कारण आत्महत्या की घटनाएँ भी लगातार बढ़ रही हैं। रोहित डोगरा ने आगे कहा कि झूठी शिकायत देने पर कड़ी कार्यवाई होनी चाहिए और भारी जुर्माना लगाया जाना चाहिए। इस से समय, पैसा और न्याय सही तक पहुंच जाएगा इसमें मदद मिलेगी।

उन्होंने जेंडर-न्यूट्रल क़ानून बनाए जाने, झूठा मुक़दमा साबित होने पर कड़ी सज़ा दिए जाने, समयबद्ध सुनवाई किए जाने व आपराधिक मुक़दमा दर्ज करने से पहले काउंसलिंग और मध्यस्थता अनिवार्य किए जाने की मांगे की।

आज विरोध प्रदर्शन में महेश कुमार, अंकुर शर्मा, जसदीप सिंह, गौरव रहेजा, सौमेंदु मुखर्जी, गौरव कुमार, रंजीत कुमार, जसमीत सिंह, मोहित कुमार, जसजोत सिंह, संदीप कुमार, अमनदीप सिंह, रविंदर सिंह, केसी शर्मा, हरदीप कुमार आदि शामिल हुए।

एनजीओ ने इस शांतिपूर्ण पहल के माध्यम से नागरिकों, नीति-निर्माताओं और मीडिया से अपील करता है कि इस गंभीर समस्या को स्वीकारें और तत्काल कानूनी सुधारों की दिशा में कदम उठाएँ। भारतीय परिवार बचाओ (एसआईएफ) -चंडीगढ़ गैर-लाभकारी, स्व-वित्त पोषित, स्व-समर्थित स्वयंसेवक आधारित पंजीकृत गैर सरकारी संगठन है, जो पुरुषों और परिवारों के अधिकारों और कल्याण के लिए काम कर रहा है। एसआईएफ सबसे बड़ी और एकमात्र 'संकट में पुरुषों के लिए अखिल भारतीय हेल्पलाइन' (एसआईएफ वन) 08882 498 498 चलाता है जो हर महीने 4000-5000 से अधिक कॉल प्राप्त करता है।

पंजाबियों के साथ मुश्किल घड़ी में मजबूती से खड़े हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : तरुण चुग

हिन्द जनपथ
गुरदासपुर/चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने आज पंजाब और हिमाचल में आई भयंकर बाढ़ के मद्देनज़र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई वित्तीय सहायता की घोषणा का स्वागत किया। चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आज गुरदासपुर दौरे के दौरान पंजाब की जनता की तकलीफों को गहराई से सुना और संवेदनशीलता के साथ उनके दर्द को समझा।

- **सहानुभूति, राहत और पुनर्निर्माण — पंजाब को मिला प्रधानमंत्री के भरोसे से संबल**

चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री ने न केवल प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया बल्कि गुरदासपुर में विस्तृत समीक्षा बैठक भी की, जिसमें नुकसान और जनता की तात्कालिक ज़रूरतों का आकलन किया गया। "प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों, मज़दूरों और अन्य प्रभावित परिवारों की बात बेहद धैर्य से सुनी। उन्होंने उनके दर्द को पूरी संवेदना के साथ समझा और राहत के व्यापक उपाय घोषित किए, जो पीड़ितों की पीड़ा को कम करने में अहम भूमिका निभाएँगे," चुग ने कहा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है जो पहले से ही राज्य की झोली में मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त होगी। केंद्र सरकार ने SDRF की दूसरी किस्त और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की अग्रिम किस्त भी जारी करने का निर्णय लिया है। बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50 हज़ार रुपये की सहायता दी जाएगी। बाढ़ में अनाथ हुए बच्चों की देखभाल पीएम केयर्स फ़ॉर चिल्ड्रेन योजना के तहत की जाएगी। चुग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आश्वस्त किया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घरों के पुनर्निर्माण, समग्र शिक्षा अभियान के तहत स्कूलों की मरम्मत और सड़कों, सिंचाई तथा जल संरक्षण ढांचे के लिए व्यापक सहयोग दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष तौर पर किसानों की मदद पर जोर दिया और कहा कि सिल्ट से भरे बोरों की मरम्मत, सिंचाई पंपों के लिए सौर पैनलों की सुविधा तथा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

श्रीमद्भागवत कथा श्रवण करने से मानव को मृत्यु के भय से मुक्ति मिलती है व परमात्मा की भक्ति में मन स्थिर होता है : भागवत व्यास उद्धव कौंदड महाराज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। सैक्टर 40-ए स्थित श्री राधा-कृष्ण मन्दिर में पितृपक्ष के अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा कराई जा रही है। भागवत व्यास उद्धव कौंदड महाराज (सहारनपुर वाले) ने बताया कि श्रीमद्भागवत महापुराण का प्रथम श्रवण राजा परीक्षित ने किया। भगवान वेदव्यास के पुत्र महर्षि शुकदेव जी महाराज इसके प्रथम कथावाचक बने।

राजा परीक्षित को महर्षि शमीक के पुत्र श्रृंगी ऋषि ने श्राप दिया था कि सातवें दिन उन्हें तक्षक नाग के दंश से मृत्यु होगी। मृत्यु समीप जानकर राजा ने अपना राजपाट त्याग दिया और गंगा तट पर जाकर संत-महात्माओं के संग जीवन के अंतिम सात दिन व्यतीत करने का संकल्प लिया। उन्होंने जिज्ञासा प्रकट की कि अल्प जीवन में मनुष्य को क्या करना चाहिए और कौन-सा कार्य उसे मोक्ष दिला सकता है? तब महर्षि शुकदेव जी ने सात दिनों तक उन्हें श्रीमद्भागवत कथा सुनाई। इस कथा का उद्देश्य मानव को मृत्यु के भय से मुक्त कराना, परमात्मा की भक्ति में स्थिर करना तथा जीवन के अंतिम लक्ष्य भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति एवं मोक्ष की ओर प्रेरित करना है।

मंदिर सभा के प्रधान बीपी अरोड़ा और महासचिव विनय कपूर ने बताया कि महाराज श्री ने महाभारत का प्रसंग सुनाते हुए भीष्म पितामह एंव अर्जुन जैसे प्रभु भक्तों की कथा का सार भी बताया। ठाकुर जी के सुंदर भजनों से कथा का विराम हुआ।

अब तक 23,206 व्यक्तियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकाला गया: हरदीप सिंह मुंडियां

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री हरदीप सिंह मुंडियां ने आज बताया कि पिछले 24 घंटों में राज्य में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ी है, जिससे 33 और गाँव तथा 133 और लोग प्रभावित हुए हैं और 6988 हेक्टेयर फसलों का नुकसान दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही राज्य के 22 जिलों में प्रभावित गाँवों की कुल संख्या 2097 हो गई है और प्रभावित आबादी 3,88,092 तक पहुँच गई है।

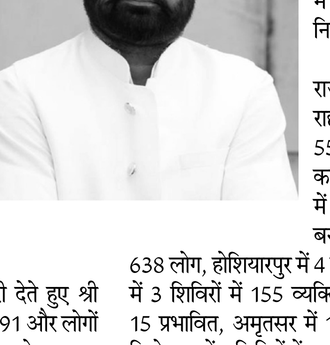

राजस्व मंत्री ने बताया कि पिछले 24 घंटों में लुधियाना में एक और व्यक्ति की मृत्यु हुई है, जिससे 15 जिलों में मौतों की कुल संख्या 52 हो गई है। उन्होंने यह भी कहा कि पठानकोट में तीन व्यक्ति अब भी लापता हैं।

राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी देते हुए श्री मुंडियां ने बताया कि पिछले 24 घंटों में 191 और लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकाला गया, जिससे अब तक बचाए गए व्यक्तियों की कुल संख्या 23,206 हो गई है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक 5581 लोगों को गुरदासपुर में सुरक्षित निकाला गया है, जबकि फाज़िल्का में 4254, फिरोज़पुर में 4012, अमृतसर में 3260, होशियारपुर में 1616, कपूरथला में 1428, पठानकोट में 1139, बरनाला में 738, जालंधर में 511, मानसा में 178, मोगा में 155, रूपनगर में 313 और तरन तारन ज़िले में 21 व्यक्तियों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि राज्य में वर्तमान समय में 119 राहत शिविर चालू हैं, जिनमें 5521 लोग रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय फाज़िल्का में 14 शिविरों में 2946 लोग, बरनाला में 43 शिविरों में 638 लोग, होशियारपुर में 4 शिविरों में 921 लोग, मोगा में 3 शिविरों में 155 व्यक्ति, मानसा में 1 शिविर में 15 प्रभावित, अमृतसर में 16 शिविरों में 51 व्यक्ति, फिरोज़पुर में 5 शिविरों में 202 व्यक्ति, गुरदासपुर में 13 शिविरों में 10 व्यक्ति, जालंधर में 18 शिविरों में 453 व्यक्ति, लुधियाना में 1 शिविर में 47 व्यक्ति और संगरूर में 1 शिविर में 83 प्रभावित व्यक्ति रह रहे हैं।

फसलों के नुकसान के बारे में जानकारी साझा करते हुए श्री मुंडियां ने बताया कि 18 जिलों में अब तक कुल 1,91,926.45 हेक्टेयर फसली क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जबकि यह आँकड़ा बीते कल लगभग 1.84 लाख हेक्टेयर था।

उन्होंने कहा कि गुरदासपुर में सबसे अधिक 40,169 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। इसी तरह अमृतसर में 27,154 हेक्टेयर, फाज़िल्का में 19,037 हेक्टेयर, कपूरथला में 17,574 हेक्टेयर, पटियाला में 17,404 हेक्टेयर, फिरोज़पुर में 17,257 हेक्टेयर, तरन तारन में 12,828 हेक्टेयर, मानसा में 12,207 हेक्टेयर, होशियारपुर में 8322 हेक्टेयर, संगरूर में 6560 हेक्टेयर, जालंधर में 4800 हेक्टेयर, पठानकोट में 2442 हेक्टेयर, मोगा में 2240 हेक्टेयर, एस.ए.एस. नगर में 2000 हेक्टेयर, रूपनगर में 1080 हेक्टेयर, बठिंडा में 586.79 हेक्टेयर, एस.बी.एस. नगर में 188.3 हेक्टेयर और लुधियाना में 76 हेक्टेयर फसल का नुकसान दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि 9 सितम्बर तक 22 जिलों के कुल 2097 गाँव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

विधायक रंधावा ने डेरा बाबा नानक के बाढ़ पीड़ितों के पशुओं के लिए फ़ीड और दाना भेजा

हिन्द जनपथ
लालरू (साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर) (ब्यूरो)। डेराबस्सी विधानसभा क्षेत्र के विधायक कुलजीत सिंह रंधावा ने आज लालरू अनाज मंडी से बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री रवाना की। यह राहत सामग्री आढ़ती एसोसिएशन, ट्रक यूनियन और विभिन्न पार्टी पदाधिकारियों के सहयोग से एकत्रित की गई। उन्होंने बताया कि आढ़ती एसोसिएशन द्वारा 250 बैग चोकर, आम आदमी पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा एक ट्रक दाना और ट्रक यूनियन द्वारा परिवहन के लिए दो ट्रक उपलब्ध कराए गए हैं।

स. रंधावा ने कहा कि डेरा बाबा नानक के शाहपुर जाजां गाँव में बाढ़ के कारण लोगों का दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गाँव के कई परिवारों ने बाढ़ में अपने घर, पशुधन और दैनिक ज़रूरत की चीजें खो दी हैं। संकट की इस घड़ी में उनकी मदद के लिए आज लालड़ू से दो ट्रक भेजे गए हैं, एक ट्रक पशुओं के फ़ीड से भरा है और दूसरा चोकर से।

विधायक ने कहा कि बाढ़ ने राज्य के कई इलाकों में भारी नुकसान पहुँचाया है। इस समय सभी लोगों, संस्थाओं और सरकार को मिलकर काम करने की ज़रूरत है ताकि बाढ़ प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द सामान्य जीवन में लाया जा सके। उन्होंने आढ़ती एसोसिएशन, ट्रक यूनियन और अन्य सहयोगी संस्थाओं का विशेष आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस राहत सामग्री को एकत्रित करने और पहुँचाने में योगदान दिया।

50 हजार रुपए रिश्वत लेने वाला सहायक सब-इंस्पेक्टर और सिपाही विजीलेंस ब्यूरो द्वारा गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजीलेंस ब्यूरो ने भ्रष्टाचार विरोधी अभियान के दौरान कपूरथला जिले के थाना सिटी सुल्तानपुर लोधी में तैनात सहायक सब-इंस्पेक्टर (ए.एस.आई.) राजविंदर सिंह (691/कपूरथला) और सिपाही बलतेज सिंह को 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगने और स्वीकार करने के आरोप में काबू किया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए विजीलेंस ब्यूरो के सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि ये गिरफ्तारियां एक इंग्लैंड निवासी एनआरआई महिला, जो इस समय मुंबई में भी रह रही है, द्वारा मुख्यमंत्री की एंटी-करप्शन एक्शन लाइन पर दी गई शिकायत की जांच के आधार पर की गई हैं।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायत के अनुसार उक्त ए.एस.आई. ने शिकायतकर्ता के एनआरआई मित्र की पुलिस द्वारा एक मामले में गिरफ्तारी के समय अदालत से जमानत दिलाने में मदद करने के बदले 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत की रकम प्राप्त करने के लिए इन पुलिसकर्मियों ने उसे बैंक के एटीएम से पैसे निकालने के लिए भी बाहर भेज दिया था। इसके बाद इन पुलिसकर्मियों ने शिकायतकर्ता से अदालत की कार्रवाई में उसके साथी की मदद करने के बदले 5 हजार रुपए और मांगे थे, जिसकी उसने रिकॉर्डिंग करके ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई।

प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान शिकायत में लगाए गए आरोप सही पाए गए। इसके बाद उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत ब्यूरो के थाना जालंधर रेंज में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। इस केस की आगे की जांच जारी है और आरोपियों को कल सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा।

संपादकीय

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार से नई उम्मीदें

देश में स्वास्थ्य सेवाओं में तमाम कमियों और चुनौतियों के बीच शिशु मृत्यु दर में गिरावट इस बात का संकेत है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान आम लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार आया है। भारत के महापंजीयक की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, सतत विकास लक्ष्यों की ओर देश कदम जरूर बढ़ा रहा है, लेकिन एक बड़ी चुनौती शिशु मृत्यु दर को कम करने की रही है। लंबे समय से मातृ-शिशु देखभाल के लिए नीतियां और योजनाएं भी बनाई जाती रहीं।इस क्रम में प्रसव के दौरान बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने से लेकर टीकाकरण आदि के लिए जमीनी स्तर पर कार्य किए गए। इसी का परिणाम है कि शिशु मृत्यु दर कम करने में बड़ी कामयाबी हासिल हुई। बुधवार को जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली के मुताबिक, देश में शिशु मृत्यु दर प्रति एक हजार पर पच्चीस के निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है। एक दशक पहले यह संख्या चालीस थी। इस लिहाज से देखें तो मृत्यु दर में 37.5 फीसद गिरावट बताती है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं तक आम लोगों और खासकर महिलाओं की पहुंच की स्थिति में सुधार हुआ है।हालांकि, स्वास्थ्य सुविधाओं तक सभी लोगों की पहुंच के मामले में कई स्तर पर असमानता अब भी बनी हुई है और इस तस्वीर में अभी काफी सुधार होना बाकी है, इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में भी शिशु मृत्यु दर कम होना महत्त्वपूर्ण है। यहां एक हजार शिशुओं पर यह दर चौवालीस से घट कर अट्ठाईस रह गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में यह दर सत्ताईस से अठारह पर आ गई। इससे स्पष्ट है कि एक ओर जहां स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं, वहीं लोगों के बीच गर्भवती महिलाओं की सेहत और सुरक्षित प्रसव को लेकर जागरूकता बढ़ी है।इसके नतीजे भी सामने हैं। मगर आज भी आबादी के एक बड़े हिस्से के बीच प्रसव के बाद महिलाओं और उनके शिशुओं को निरंतर और पर्याप्त पोषक आहार न मिलने की समस्या बनी हुई है। इस ओर सरकार को ध्यान देना होगा। बहरहाल, कई चुनौतियों के बीच वर्ष 1971 के मुकाबले शिशु मृत्यु दर में अस्सी फीसद की गिरावट भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगाती है।

जॉर्जिया के लोगों की बहादुरी के बावजूद 1578 से 1991 तक उन्हें ओटोमन, पर्शियन, रूस की जारशाही और सोवियत अधीनता में रहने को विवश होना पड़ा। यहां के लोग सोवियत संघ के विघटन के समय से खुद को आजाद मानते हैं। क्या विडंबना है! जॉर्जिया 1922 में सोवियत संघ की स्थापना के साथ ही उसका सदस्य बना। इसमें जोसेफ स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका थी। जॉर्जिया के गोरी गांव की पैदाइश स्टालिन 'सोवियत शासन' के 69 वर्षों में 30 साल तक सोवियत संघ का सर्वेसर्वा रहा।

रूसी सीमा पर होने की थरथराहट

(शशि शेखर)

भारतीयों को सोचना ही होगा कि हम खुद तेजी से तरक्की करने वाला देश हैं, तो ऐसे में जॉर्जिया जैसे अपेक्षाकृत कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में बसकर हमें भला क्या लाभ होगा?

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच कभी सोवियत संघ का हिस्सा रहे जॉर्जिया की यात्रा रोमांचक और यादगार थी। काकेशस पर्वतमाला की गोद में रूस की दूसरी सीमा पर बसे इस छोटे देश का इतिहास अपने सीने में बड़े दर्द समेटे हुए है।

जॉर्जिया के लोगों की बहादुरी के बावजूद 1578 से 1991 तक उन्हें ओटोमन, पर्शियन, रूस की जारशाही और सोवियत अधीनता में रहने को विवश होना पड़ा। यहां के लोग सोवियत संघ के विघटन के समय से खुद को आजाद मानते हैं। क्या विडंबना है! जॉर्जिया 1922 में सोवियत संघ की स्थापना के साथ ही उसका सदस्य बना। इसमें जोसेफ स्टालिन की महत्वपूर्ण भूमिका थी। जॉर्जिया के गोरी गांव की पैदाइश स्टालिन 'सोवियत शासन' के 69 वर्षों में 30 साल तक सोवियत संघ का सर्वेसर्वा रहा। यहां के लोग अगर सोवियत संघ के विघटन को आजादी मानते हैं, तो सोवियत 'तानाशाह' स्टालिन के बारे में उनकी क्या राय है? गोरी में स्टालिन संग्रहालय के आस-पास तमाम स्थानीय लोगों को टटोलने की कोशिश की। सभी भाषायी अनभिज्ञता की ओट लेकर टाल गए।

क्या समूचे जॉर्जिया का यही हाल है? कतई नहीं। फर्राटेदार हिंदी बोलने वाली मारजिया मुझे त्बिलिसी में मदर जॉर्जिया की मूर्ति के पास मिलीं। उन्होंने 2017 में सात महीने आगरा के केंद्रीय हिंदी संस्थान में बिताए हैं, इस नाते उनकी भारत और भारतीयों में रुचि है। उनसे पूछता हूं, रूस-यूक्रेन युद्ध को आप किस तरह देखती हैं?

मारजिया शब्दों को चबाकर बोलने की आदी नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमें रूस पर भरोसा नहीं। यूक्रेन युद्ध के बाद उसके इरादे बेपर्दा हो गए हैं, लेकिन हमारी सरकार मॉस्को से मेल-जोल में लगी है।' उनके साथ खड़ी युवती कुछ आक्रोश से कहती है कि मौजूदा राष्ट्रपति मिखाइल कावेलाश्विली धोखाधड़ी से चुनाव जीते हैं और इस समय हमारा देश पूंजीपतियों व भ्रष्ट सत्ताधारियों के बीच पिस रहा है।

कहीं ये लोग किसी खास विचारधारा से तो ताल्लुक नहीं रखते?: शंका दूर करने के लिए यही सवाल मैं 1992 में जन्मे वाको से पूछता हूं। वह कहते हैं, जॉर्जिया को यूरोप और अमेरिका से संरक्षण भले प्राप्त हो, लेकिन हमारा देश नाटो का सदस्य तक नहीं। हम रूस पर कभी विश्वास नहीं कर सकते, क्योंकि उसने 8 अगस्त, 2008 को जॉर्जिया पर अकारण हमला बोल दिया था। मेरा अगला सवाल था, क्या रूस की सेनाएं दोबारा आपके देश में दाखिल हो सकती हैं? ऐसी किसी आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हमें अपनी सुरक्षा के उपाय खुद खोजने होंगे, जवाब मिलता है।

ऐसा नहीं है कि हर कोई इसी तरह सोचता है: मैं ऐसे कई जॉर्जियावासियों से मिला, जो अपनी सरकार या रूस की बुराई से सकुचाते हैं। इनमें से एक जोजो जॉर्जियन को राजनीतिक चर्चा से बचता देख मैंने दूसरी तरह से टटोला, अगर आपको किसी वजह से जॉर्जिया को छोड़ना पड़ा, तब आप किस देश में रहना पसंद करेंगे- अमेरिका, इंग्लैंड अथवा रूस? वह हिचकते हुए जवाब देते हैं, अमेरिका। मेरा अगला सवाल था, यदि अमेरिका आपको इजाजत न दे, तब आप कहां रहना चाहेंगे- इंग्लैंड या रूस?

जोजो बेहिचक बोलते हैं- रूस। क्यों? 'मेरे वहां कई दोस्त हैं। रूस एक अमीर देश है। मैं जानता हूं कि वहां के लोग क्या सोचते हैं और उनकी जरूरतें क्या हैं? वहां मेरे लिए रोजगार के बेहतर अवसर होंगे।' उनका यह जवाब मेरे सारे सवालों के उत्तर दे देता है। मैं आगे बढ़ जाता हूं। बातूमी में एक और नौजवान मिलता है, वह बताता है कि हमारे यहां इस समय बेरोजगारी बढ़ रही है और अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है, पर सरकार पश्चिम बनाम मॉस्को के छाया-युद्ध में बीच का रास्ता चुन रही है। मौजूदा हालात में यह उचित भी है। हम बेवजह रूस को उकसा भी तो नहीं सकते।

आंकड़े देखता हूं, तो उसकी बात में आंशिक सच्चाई नजर आती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 2025-26 में जॉर्जिया की विकास दर छह फीसदी आंकी है, जो पिछले वर्ष से खासा खराब है। यही नहीं, साल 2025 की पहली तिमाही में बेरोजगारी दर भी बढ़ी है। इसके बावजूद पड़ोसी देशों के मुकाबले जॉर्जिया की स्थिति बेहतर है। कोरोना के बाद से यहां पर्यटन में तेज बढ़ोतरी हुई है। यहां की प्राकृतिक खूबसूरती, सोवियत युग की निशानियां और काकेशस की विरासत लोगों को लुभाती हैं। यूक्रेन युद्ध की वजह से जो लोग रूस या यूक्रेन छोड़कर आए, उन्होंने भी तरक्की में योगदान किया है। इसके बावजूद कुछ बातें बहुत साफ हैं। ज्यादातर लोग मौजूदा सरकार को बहुत पसंद नहीं करते, नई पीढ़ी में आशंका भरी अकुलाहट है और अवैध अप्रवासियों की समस्या यहां भी विकराल रूप ले रही है। पाकिस्तान से आए मोहम्मद अली यूं ही टकरा गए थे। वह बरसों से यहां पर हैं। उनसे पूछता हूं, तो वह कहते हैं कि यहां के लोगों और पुलिस का व्यवहार हमारे प्रति बहुत अच्छा नहीं है। वह यह भी जोड़ते हैं कि आखिर जॉर्जिया के लोग करें तो करें क्या? अवैध अप्रवासी 'गंदगी' फैलाने में जुटे हैं।

यहां भी अंतरविरोध के दर्शन होते हैं: त्बिलिसी और बातूमी में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के मेडिकल छात्र मिले। उन सभी ने एक राय हो बताया कि पुरानी पीढ़ी भले हमसे कुछ दुराव रखती हो, लेकिन नौजवान गर्मजोश हैं। हमें कोई दिक्कत नहीं। ये छात्र अपनी फीस के जरिये यहां की अर्थव्यवस्था में खासा योगदान करते हैं। इन दिनों जॉर्जिया के कॉलेज बंद हैं और ये सभी होटल अथवा किसी रेस्तरां में काम करते मिले। उनका श्रम भाव-विभोर कर जाता है। दूर बसे इस मुल्क में खुद मेरा अनुभव बीच का रहा। भारतीयों के प्रति आम लोगों में भले कोई रोष न हो, लेकिन वे स्वागत-उत्सुक भी नहीं दिखे।

हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों ने जिस अंदाज में हर अभिलेख को देर तक चेक किया, उससे लगा कि वे भारत के लोगों पर खास नजर रख रहे हैं। हमारे जहाज से आए आधा दर्जन लोगों को वीजा और जरूरी कागजात दिखाने के बाद भी तरह-तरह से हलकान किया गया। उनसे यहां तक पूछा गया कि आपके पास अपने देश की कितनी करेंसी है और आप उसे कैसे खर्च करेंगे? महिला आव्रजन अधिकारी ने एक सज्जन के पर्स में मौजूद भारतीय करेंसी तक निकलवाकर गिनवा ली।

ऐसी अगवानी मैंने इससे पहले किसी देश में नहीं देखी थी।: हम भारतीयों को सोचना ही होगा कि हम खुद तेजी से तरक्की करने वाला देश हैं, तो ऐसे में जॉर्जिया जैसे अपेक्षाकृत कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में बसकर हमें भला क्या लाभ होगा? जिस देश का अतीत रक्त-रंजित गुलामी से आक्रांत, वर्तमान आशंकित और भविष्य धुंधलके से ढका हो, उससे आप भला क्या उम्मीद कर सकते हैं?

शहरी प्रबंधन की नाकामी से लगते जाम

(श्रुति कुमारी)

भारत के प्रमुख शहर दुनिया के सबसे धीमे शहरों में शुमार किए जाने लगे हैं। यहां शहरी लोग ट्रैफिक जाम में ही सालाना सैकड़ों घंटे गंवा देते हैं।

भारत के प्रमुख शहर दुनिया के सबसे धीमे शहरों में शुमार किए जाने लगे हैं। यहां शहरी लोग ट्रैफिक जाम में ही सालाना सैकड़ों घंटे गंवा देते हैं। अगर जाम की समस्या न होती, तो वे इस समय का उपयोग दूसरे काम करने, आराम करने या परिवार के साथ बिताने में इस्तेमाल कर सकते थे। अधिक से अधिक सड़कें बनने के बावजूद, ट्रैफिक जाम लंबा और जानलेवा होता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण यह है कि देश में कार रखने वाले अभिजात वर्ग की संख्या तेजी से बढ़ी है। भारत में प्रति 1000 लोगों पर 34 कारें हैं, जो वैश्विक स्तर पर तो कम है, लेकिन तेजी से बढ़ रही है। शहरी सड़कों पर कुछ खास लोगों का दबदबा बढ़ता जा रहा है, जबकि सार्वजनिक परिवहन पिछड़ रहे हैं।

सर्वेक्षणों के आंकड़े बताते हैं कि भारतीय शहरों में यात्रा के समय में जरा भी सुधार नहीं हुआ है। कोलकाता में अब भी पिछले पांच सालों से सबसे लंबा औसत यात्रा समय है। दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में भी ज्यादा बदलाव नहीं आया है। आंकड़े भी यही कहते हैं। टॉमटॉम के '2024 के ट्रैफिक इंडेक्स' में कोलकाता और बेंगलुरु को दुनिया के सबसे खराब यातायात वाले शहरों में शामिल किया गया है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई भी पीछे नहीं हैं। हैदराबाद जैसी जगहों पर भी, जिन्हें लंबे समय से अपेक्षाकृत कम यातायात वाला माना जाता था, हालात बिगड़ रहे हैं। बेंगलुरु के लोग सालाना दो कार्य सप्ताह का वक्त भीड़भाड़ के कारण गंवा देते हैं, तो मुंबई वाले करीब 13 कार्य दिवस।

ट्रैफिक संकट स्वास्थ्य आपातकाल जैसा भी है। यहां तक कि जिन शहरों की हवा कभी साफ मानी जाती थी, वहां भी अब प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ गई है। द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में प्रकाशित पहले बहु-शहरी अध्ययन से वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभावों का पता चलता है। जहां ज्यादा प्रदूषण है, वहां होनेवाली मौतों का अनुपात भी ज्यादा है। दिल्ली में सालाना कुल मौतों का लगभग 12 प्रतिशत मौतें वायु प्रदूषण से होती हैं। बेंगलुरु में प्रदूषण का स्तर हालांकि कम मापा गया, फिर भी इससे होनेवाली मौतों का प्रतिशत 4.8 रहा। जबकि बेंगलुरु के निवासियों को दिल्ली वालों द्वारा झेले जा रहे वायु प्रदूषण का केवल 30 प्रतिशत ही झेलना पड़ता है। यहां यह भी बता दें कि यह सिर्फ मेट्रो की समस्या नहीं है। छोटे शहर भी तेजी से इस राह पर चल रहे हैं। जयपुर के यात्रियों को 2024 में यातायात जाम के कारण 82 घंटे का नुकसान हुआ। हालांकि, लोगों को इसका असली नुकसान दिखाई नहीं देता। वह है- समय की बर्बादी, जहरीली हवा और बढ़ता तनाव।

वर्ग पहेली 5848

1	2		3	■	■	4	5
6		■	7	8			
9		■	10		■		■
	■	11	■	■		12	13
14	15			■	16		
17			■	18	■	19	
■		■	20		21	■	■
22			■	23			

संकेत: बाएं से दाएं

1. हिंदी महासागर में स्थित इस दो ने 17 अक्टूबर 2009 को पानी के अंदर दुनिया की पहली कैबिनेट बैठक कर सभी राष्ट्रों को ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से आगाह करने की कोशिश की (4)
4. ये प्रसिद्ध सूर्यवंशी राजा दशरथ की पिता थे (2)
6. मणि, रत्न, अदद, संख्या (2)
7. नया जमाना, जागरण प्रकाशन का एक अखबार (5)
9. पुत्र, बेटा, सूरज (अंग्रेजी)(2)
10. एक राजनीतिक दल (2)
11. अक्टूबर 1988 का संक्षिप्त नाम (2)
12. घड़ा, गगरा (2)
14. पैरवी करना, वकील होने का भाव (4)
16. गाय का मल यह कहलाता है (3)
17. रमण कराना, अनुरक्त कराना या बनाना (3)
19. हस्तगत करना, ग्रहण करना (2)
20. मैथलीशरण गुप्त की एक प्रसिद्ध कृति (3)
22. यह फिलीपींस देश की राजधानी है (3)
23. दिल्ली की यह इमारत भारत के पांचवे मुगल बादशाह शाहजहां ने बनवाई थी (4)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की सतलुत नदी और असम की ब्रह्मपुत्र नदी इसी झील से निकलती है (6)
2. वे दिन जिनमें विवाह आदि के मुहुर्त निकाले जाते है, तल्लीनता (3)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. भारत केपूर्व टेस्ट क्रिकेटर (6)
6. इस अभिनेत्री की पहली फिल्म गुड्डी थी (2)
8. मुस्लिम संप्रदाय का एक प्रमुख त्यौहार (2)
11. विस्मरण करना, विस्मृत करना (3)
13. रिक्त स्थान की पूर्ति करना, उड़लेना (3)
15. जयशंकर प्रसाद का प्रबंध काव्य (4)
15. मरीज, बीमार, जिसे रोग लगा हो (2)
18. परिवार हीनता, वेयक्तिकता, निर्जनता (3)
21. पेंदा, नीचे की सतह (2)

वर्ग पहेली 5847 का हल

ह	र	गो	विं	द	खु	रा	ना
रि	■	ल	ट	■	दा	ग	ना
द्वा	रा	■	र	जा	ई	■	ना
र	ज	त	■	या	■	रो	■
■	स्था	प	ना	■	दा	गी	■
सु	न	ना	■	भा	ला	■	अ
जा	■	■	बा	व	न	ग	जा
ता	श	कं	द	■	■	ज	न

नागरिक अनुशासन की कमी जिम्मेदार

(दिव्या)

अपने यहां शहरों में जिस तरह से जाम की समस्या विकराल होती जा रही है, उसका तुरंत समाधान नहीं हुआ, तो ये शहर ही ठप पड़ सकते हैं। दुर्भाग्य से इस समस्या को बढ़ाने में कुछ हद तक हम आम लोगों का भी योगदान है। दरअसल, जाम से बचने के लिए जो सुझाव दिए जाते रहे हैं, उनमें सबसे प्रमुख है कि लोग बड़े निजी वाहन रखें ही नहीं, बल्कि इसकी जगह वे सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। यह बताता है कि सड़कों पर गाड़ियों का बोझ हमने कितना बढ़ा दिया है। नागरिक अनुशासन की कमी का आलम यह है कि फुटपाथों पर मोटरसाइकिल चलाने तक से हम बाज नहीं आते। एक अध्ययन के मुताबिक, शहरों में सड़कों का लगभग 80 प्रतिशत हिस्से पर निजी वाहन काबिज हैं, जिनमें मुश्किल से 20 प्रतिशत यात्री ही सफर कर पाते हैं। दूसरी ओर 20 प्रतिशत सड़क पर 70 प्रतिशत से अधिक यात्रियों को चलना पड़ता है। समाधान के तौर पर कहा जा रहा है कि शहरों में निजी वाहनों का प्रवेश ही प्रतिबंधित कर दिया जाना चाहिए। दुनिया के कई अहम शहरों में यह व्यवस्था लागू है। लेकिन भारत समेत अनेक देशों में इस पर कोई सीमा नहीं है।एक अहम उपाय के तौर पर पुराने जमाने के क्रांतिकारी विचार सुझाए जा रहे हैं। यह है, यातायात पर शुल्क लगाना। स्थानीय सरकारों ने सड़कें चौड़ी करने, फ्लाईओवर बनाने और रास्ते बदलने की कोशिशें की हैं, पर ये सब कारगर नहीं रहे। शहरों को ठप होने से बचाने के लिए भीड़भाड़ शुल्क जैसे बुनियादी उपाय कारगर हो सकते हैं। कुछ शहर भीड़भाड़ के मूल्य निर्धारण पर विचार भी करने लगे हैं। भारत के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने 2013 में ही यह विचार प्रस्तुत किया था। लेकिन किसी भी शहर ने इसे लागू नहीं किया। इसके बजाय, ज्यादातर शहरों ने ज्यादा सड़कें, ज्यादा फ्लाईओवर और ज्यादा भीड़भाड़ को प्राथमिकता दी है। इसका नतीजा यह निकला है कि सड़कों पर गाड़ियों की बेहिसाब संख्या दिखने लगी है। हमें यह समझना होगा कि अगर सड़क पर जगह सीमित है, तो उसका सही व सुसंगत इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन पर हमें भरोसा करना ही चाहिए, क्योंकि इससे न सिर्फ सड़कों का बोझ कम होता है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा भी होती है।

दुर्भाग्य से इस समस्या को बढ़ाने में कुछ हद तक हम आम लोगों का भी योगदान है। दरअसल, जाम से बचने के लिए जो सुझाव दिए जाते रहे हैं, उनमें सबसे प्रमुख है कि लोग बड़े निजी वाहन रखें ही नहीं, बल्कि इसकी जगह वे सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। यह बताता है कि सड़कों पर गाड़ियों का बोझ हमने कितना बढ़ा दिया है।

कुल मिलाकर, हाल में दिखी जाम का यही संदेश है कि हमारा समय और हमारे शहर की हवा, दोनों कीमती हैं। इसका हमें हर हाल में ध्यान रखना भी चाहिए। वैसे भी, जब हम विकसित भारत की सपना देख रहे हैं, तो यह जरूरी है कि हमारा देश स्वस्थ हो, और सेहत की सुरक्षा तभी हो सकेगी, जब सड़कों पर उत्सर्जन कम हो।

आज का राशिफल

मेष

आज कार्यक्षेत्र में आपका कोई रुका काम बन सकता है, जिससे तनाव कम होगा। साथ ही, कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आप अपने समझदारी से स्थिति को सामान्य बना लेंगे। व्यापार के क्षेत्र में नए संपर्क बनाने से लाभ हो सकता है। परिवार में जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृष

आज राजनीति के क्षेत्र में समय आपके लिए अनुकूल रहेगा। आपके द्वारा किए गए प्रयासों से सफलता प्राप्त हो सकती है। इससे संतोष और शांति महसूस होगी। शासन और सत्ता से गठजोड़ के चलते आपको लाभ प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होने की संभावना है। लेकिन आपको अचानक किसी समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है।

मिथुन

आज कार्यक्षेत्र में आपके रुके हुए काम धीरे-धीरे पूरे हो सकते हैं। जिससे तनाव कुछ हद तक कम रहेगा। लेकिन यात्रा के दौरान आपको सावधान रहना क्योंकि किसी मूल्यवान वस्तु के खोने का भय बना हुआ है। व्यापार के मामले में कामकाज की स्थिति सही बनी रहेगी।

कर्क

आज आपका दिन शुभ रहने वाला है और उत्तम संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में उन्नति मिलेगी और समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा और आप जोश से भरपूर रहेंगे। व्यापार में यात्राओं से सुखद परिणाम प्राप्त हो सकते हैं ।

सिंह

आज नौकरी करने वालों के लिए आमदनी के नए स्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में मधुर वाणी और व्यवहार के चलते आपको सम्मान प्राप्त होगा। शिक्षा के क्षेत्र में किसी प्रतियोगिता में विशेष सफलता प्राप्त होने के योग बने हुए हैं। हालांकि, आपको कामकाज के सिलसिले में ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है, जिसका असर सेहत पर भी पड़ेगा।

कन्या

आज आपको व्यापार के मामले में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और अपेक्षा से भी ज्यादा सफलता प्राप्त हो सकती है। वहीं, नौकरी करने वालों को भी कार्यस्थल पर किए गए प्रयासों से सुखद परिणाम प्राप्त होंगे। अगर किसी कानूनी मामले में फंसे थे तो अब आपको जीत हासिल हो सकती है।

तुला

आज आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है। अगर आप लंबे समय से पैसों की लेन-देन से जुड़ी समस्या का सामना कर रहे थे, तो अब उसका समाधान हो सकता है। धन लाभ होने के भी शुभ योग बन रहे हैं, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए भी दिन अच्छा रहेगा और आपके आसपास का वातावरण सुखद बना रहेगा। परिवार में शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिलेगा।

वृश्चिक

आज आपकी सेहत कुछ खराब रह सकती है। ऐसे में कामकाज में थोड़ा कम मन लगेगा। आर्थिक मामलों में इस समय कोई भी निर्णय लेने से बचें। बिना सोचे-समझे या जल्दबाजी में फैसले लेने से नुकसान हो सकता है। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के विवाद या बहस से दूरी बनाकर रखें, अन्यथा समस्या उत्पन्न हो सकती है।

धनु

आज आपका दिन शुभ रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा। जिससे विरोधी आपकी प्रशंसा करेंगे। राजनीति क्षेत्र में किए गए प्रयासों से लाभ मिल सकता है और शासन सत्ता पक्ष से निकटता से भविष्य में मुनाफा मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में आपको ससुराल पक्ष से सहयोग मिल सकता है।

मकर

आज आर्थिक मामलों में दिन बेहतरीन रहने वाला है और आपको बड़ी सफलता प्राप्त हो सकती है। कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा किए जा रहे नए प्रयास उन्नति के नए रास्ते खोल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधीनस्थ कर्मचारियों का आदर व सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ

आज आपको कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में धैर्य के साथ सोच-समझकर कोई भी फैसला लेना जरूरी होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है। व्यापार के मामले में आपको कुछ कामों में हानि मिल सकती है। ऐसे में मानसिक तनाव बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से दूर रहना होगा।

मीन

आज कामकाज के सिलसिले में किसी भी यात्रा पर जाते वक्त सावधानी बरतनी जरूरी होगा। आर्थिक मामलों में लेन-देन में भी सतर्क रहें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। अगर संभव हो तो अभी के लिए जोखिम भरे निर्णयों को टाल दें। नौकरी करने वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा और कार्यस्थल पर कामकाज सही चलेगा।

बीमा प्रीमियम क्या सचमुच सस्ता होगा GST

कटौती का पूरा लाभ नहीं मिलने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाली 22 सितंबर से हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसियों पर जीएसटी पूरी तरह खत्म हो रहा है। पहले इन पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगता था, जो अब शून्य हो जाएगा। इस कदम को आम ग्राहकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि क्या प्रीमियम सचमुच सस्ता होगा। इस पर विशेषज्ञों का कहना है कि ग्राहकों को पूरा 18 प्रतिशत का फायदा नहीं मिलेगा, लेकिन अनुमान है कि प्रीमियम में 12-15 प्रतिशत तक राहत जरूर मिलेगी।

यहां फंसा है पेच– विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी शून्य होने से ग्राहकों का प्रीमियम खर्च सीधे घटेगा और बीमा कंपनियों को यह लाभ ग्राहकों तक पहुंचाना ही होगा। हालांकि, अब कंपनियों के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। पहले वे एजेंट कमीशन और दूसरे सेवाओं पर दिए गए जीएसटी को कर छूट (आईटीसी) के रूप में समायोजित कर लेती थीं, लेकिन अब कर शून्य होने से यह सुविधा समाप्त हो गई है और कंपनियों को यह खर्च खुद उठाना पड़ेगा। माना जा रहा है कि इस खर्च और लागत की भरपाई के लिए कंपनियां आधार प्रीमियम 3-8 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं।

क्या है आईटीसी– आईटीसी को आसान भाषा में

समझें तो यह एक प्रकार से कर छूट जैसा ही होता है। अभी बीमा कंपनियां इस्तेमाल की गई सेवाओं पर जीएसटी छूट (आईटीसी) का दावा करती हैं। इसमें दफ्तर, वितरक का कमीशन, प्रचार और अन्य परिचालन खर्च शामिल हैं, लेकिन आईटीसी न मिलने से कंपनियों की लागत बढ़ेगी। बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस के एमडी और सीईओ तपन सिंघल के मुताबिक, हेल्थ इंश्योरेंस में आईटीसी नुकसान 3-8 प्रतिशत हो सकती है। अगर यह ग्राहकों पर डाली गई, तो ग्राहकों को कुल राहत 12-15 प्रतिशत ही मिलेगी।

ऐसे समझें प्रीमियम पर असर– मान लीजिए किसी पॉलिसी का प्रीमियम 100 रुपये है। पहले इस पर 18 प्रतिशत जीएसटी जोड़कर ग्राहक से 118 रुपये वसूला जाता था।

पुरानी और नई पॉलिसीधारकों के लिए नियम

1. एक साथ प्रीमियम चुकाया है तो.. जिन पॉलिसीधारकों ने 2, 3 या 5 साल का प्रीमियम पहले ही भर दिया है, उन्हें पिछली तारीख से जीएसटी छूट का फायदा मिलने की संभावना कम है। यानी रिफंड नहीं मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रीमियम जिस दिन भरा जाता है, उस दिन लागू टैक्स ही जमा करना होता है। चूंकि पहले 'शून्य जीएसटी दर' लागू नहीं थी, इसलिए पीछे जाकर फायदा नहीं मिल सकता। हालांकि, इस संबंध में सरकार की अधिसूचना का इंतजार करना होगा।

2. 22 से पहले प्रीमियम तिथि है तो...जिनकी पॉलिसी का नवीनीकरण 22 सितंबर से पहले होना है, वे प्रीमियम भरने में देरी करके फायदा नहीं उठा पाएंगे। पॉलिसी दस्तावेज में नवीनीकरण की तारीख वही रहेगी और उस हिसाब से जीएसटी का भुगतान करना होगा।

3. अगर पॉलिसी रद्द करना चाहते हैं– कुछ लोग सोच रहे हैं कि पॉलिसी रद्द करके 22 सितम्बर के बाद दोबारा खरीद लें, लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि ऐसा करना जोखिम भरा है। बीच में अगर कोई नई बीमारी या स्वास्थ्य समस्या आ गई तो दोबारा बीमा लेना मुश्किल हो सकता है।

द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया अपना पहला फ्लेक्सी कैप फंड

मुंबई , एजेंसी। द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड (पैन्टोमैथ ग्रुप की कंपनी) ने आज अपने पहले फ्लेक्सी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह न्यू फंड ऑफर लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार किया गया है। द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड का विश्वास है कि निवेश में फुर्ती, वैज्ञानिक अनुशासन और डिस्ट्रीब्यूटर-प्रथम मॉडल सबसे अहम हैं। द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड संस्थागत स्तर के शोध, प्राइवेट इक्विटी जैसी जांच-पड़ताल और आम निवेशकों के लिए आसान पहुँच का एक अनोखा मेल प्रस्तुत

करता है। यह फ्लेक्सी कैप फंड असली फुर्ती दिखाने के लिए तैयार है, जहाँ बाज़ार की स्थिति, वैल्यूएशन और बाहरी हालात के आधार पर लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में डायनेमिक आवंटन किया जाएगा।

द वेल्थ कंपनी म्यूचुअल फंड की फाउंडर और एमडी मधु लूनावत ने कहा, यह सिर्फ नाम भर की लचीलापन नहीं है। हम प्राइवेट इक्विटी जैसी गहराई से जांच करते हैं और उसी स्तर की मेहनत पब्लिक मार्केट्स में लाते हैं। हमारी कोशिश है कि कंपनियों और सेक्टर्स का गहराई से मूल्यांकन कर, सही समय पर सही जगह निवेश किया जाए। हमारा लक्ष्य है विश्वास, स्पष्टता और जवाबदेही के साथ लंबी अवधि की संपत्ति बनाना।

यह फंड दो स्व-विकसित निवेश फेमवर्क्स पर आधारित है।

सीआईओ - इक्विटी, अपर्णा शंकर ने कहा, हमारा दर्शन अनुशासन और फुर्ती का संगम है। चेंज और ईडीजीई जैसे फ्रेमवर्क्स को प्राइवेट इक्विटी-स्टाइल चेक्स के साथ जोड़कर, हम नियंत्रित जोखिम के साथ लगातार बेहतर रिटर्न देने का लक्ष्य रखते हैं ङ्क निवेश का यही सही तरीका है। चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर, देबाशीष मोहंती ने कहा, हम मानते हैं कि भारत की म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की रीढ़ हमारे डिस्ट्रीब्यूटर हैं। हमारा उद्देश्य है उन्हें संस्थागत स्तर के उत्पाद देना, जो गहरे शोध और मज़बूत जोखिम प्रबंधन से समर्थित हों, और साथ ही बेहतरीन निष्पादन और पारदर्शी सेवा सुनिश्चित करना।

एचडीएफसी बैंक ने 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र के साथ अपना वार्षिक शॉपिंग बोनान्ज़ा फेस्टिव ट्रीट्स 2025 किया लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने वार्षिक फेस्टिव ट्रीट्स 2025 अभियान की शुरुआत की घोषणा की है, जो देश में शॉपिंग सीज़न की शुरुआत का आधार तैयार करता है। यह अखिल भारतीय बोनान्ज़ा कार्ड, लोन, पेज़ैप और ईज़ीईएमआई पर 10,000 से ज़्यादा ऑफ़र लेकर आ रहा है, जिससे ग्राहकों के लिए त्योहारी खरीदारी ज़्यादा किफ़ायती और फ़ायदेमंद हो गई है। बैंक के पास एक्सप्रेस पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, कार लोन, टू-व्हीलर लोन, होम लोन, गोल्ड लोन, एग्री लोन, कमर्शियल व्हीकल्स, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, सेविंग अकाउंट, पेजैप, सिक्योरिटीज पर लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई उत्पादों पर कई ऑफर हैं। उपभोक्ताओं को एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के जरिए की गई खरीदारी पर त्योहारी खरीदारी पर 50,000 रुपये तक की बचत करने का मौका मिलेगा। बैंक ने जिन प्रमुख ब्रांडों के साथ साझेदारी की है उनमें एलजी भी शामिल है जो ग्राहकों को ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 50,000 रुपये कैशबैक के रूप में प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और गूगल पिक्सल एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईज़ीईएमआई ऑन कार्ड्स के साथ 10,000 रुपये तक कैशबैक देता है। फेस्टिव ट्रीट्स ऑफर कई उत्पादों पर लागू हैं उसके बाद गणेश चतुर्थी, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और फिर दिवाली। इस दृष्टिकोण से यह सुनिश्चित होता है कि ऑफ़र समय पर हों और सभी राज्यों के ग्राहकों के लिए प्रासंगिक हों। एचडीएफसी बैंक इस त्योहारी अभियान के लिए अपनी 9,499 शाखाओं, 21,251 एटीएम और छह लाख से ज़्यादा मर्चेंट व डीलर टचपॉइंट्स के व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाएगा। बैंक की योजना ग्राहकों तक इन ऑफर्स को पहुँचाने के लिए रिटेल सेंटर्स, आवासीय परिसरों और कार्यालयों में 37,000 से ज़्यादा ऑन-ग्राउंड एक्टिवेशन करने की है। एचडीएफसी बैंक के कंट्री हेड - पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस एंड मार्केटिंग, श्री पराग राव ने कहा, जैसे-जैसे देश त्योहारों की खुशियों में डूब रहा है, हम अपने उपभोक्ताओं के लिए ढेरों ऑफर लेकर आ रहे हैं जो उन्हें वास्तविक मूल्य प्रदान करते हैं और उन्हें हमारे कार्ड्स, लोन्स, पेज़ैप और ईज़ीईएमआई की सुविधा के माध्यम से स्मार्ट तरीके से खर्च करते हुए जश्न मनाने में सक्षम बनाते हैं।

सैमसंगने नए डिजाइन किये गये र पेन और बेहतरीन सैमसंग डीईएक्स अनुभव के साथ लॉन्च की गैलेक्सी टैबएस11 सीरीज

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा और गैलेक्सी टैब एस11 को लॉन्च किया है। ये दोनों टैबलेट अब तक का सबसे इंटेलीजेंट और एडवांस्ड टैबलेट अनुभव देते हैं। गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ चलते-फिरते आसानी से काम करने के लिए बनाई गई है, और इसमें शक्तिशाली हार्डवेयर का बड़ी स्क्रीन के लिए बेहतरीन अनुभवों के साथ संयोजन किया गया है।

गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी टैब है। यह परफॉर्मेंस से समझौता किये बगैर एक प्रीमियम टैबलेट का नया अनुभव देता है। गैलेक्सी टैब एस11 अल्ट्रा केवल 5.1 द्बद्व पतला है, और इसका वजन महज 692 ग्राम है। जबकि इसके पूर्ववर्ती फोन का वजन 718 ग्राम और मोटाई 5.5 एमएम थी।

एडवांस्ड एआई के साथ रोज़मर्रा के कार्यों को शक्ति देना - वन यूआई 8 के साथ, गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ मल्टीमॉडल एआई को सबसे आगे लाती है - यह समझता है कि यूजर क्या टाइप करते हैं, बोलते हैं और देखते हैं, और वास्तविक समय में उपयोगी सुझाव देकर जवाब देती है। ये उपकरण किसी भी कार्य में काम करने, रचनात्मकता दिखाने और प्रवाह बनाए रखने का एक अधिक सहज तरीका प्रदान करते हैं। गैलेक्सी टैब एस11 सीरीज़ जेमिनी लाइव के साथ आती है जोकि रीयल-टाइम स्क्रीन शेयरिंग और विजुअल इनपुट को इनेबल करता है, ताकि यूजर जेमिनी के साथ स्वाभाविक बातचीत कर सकें कि वे क्या देख रहे हैं। चाहे वह स्क्रीन पर कंटेंट हो या कोई वस्तु जिसे उपयोगकर्ता कैमरे से दिखाना चाहता हो जेमिनी लाइव संदर्भ आधारित सवालों और रिक्वेस्ट को समझ सकता है।

हिंद कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों ने बनाया सौर ऊर्जा से संचालित प्रज्ञान रोवर की प्रतिकृति

भोपाल । नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम उठाते हुए हिंद कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, नवीन नगर, भोपाल ने रोबोफ्यूजन एआई प्रा. लि. के सहयोग से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। निदेशक श्री जी. पी. शर्मा के मार्गदर्शन में छात्रों ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत प्रज्ञान रोवर की एक कार्यशील प्रतिकृति सफलतापूर्वक तैयार की है। यह रोवर सौर ऊर्जा से संचालित होता है और तापमान, वायु प्रदूषण स्तर , नमी, धुएँ आदि जैसे रियल-टाइम डेटा सीधे मोबाइल उपकरणों पर भेजने में सक्षम है। उच्च सटीकता से निर्मित यह रोवर पहाड़ी क्षेत्रों, पथरीली सतहों और रेतीले इलाकों में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकता है, जो इसे वास्तविक अन्वेषण रोवर्स के समान अनुकूलन क्षमता प्रदान करता है। यह पहल विद्यालय की उस दृष्टि को दर्शाती है, जिसके तहत शिक्षा को व्यावहारिक नवाचार से जोड़ा जा रहा है। छात्र ब्लूटूथ तकनीक, रिमोट-कंट्रोल तकनीक, होम ऑटोमेशन और ट्रैफिक लाइट सिस्टम जैसे क्षेत्रों में भी गहरी रुचि दिखा रहे हैं और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर अपनी तकनीकी नींव मजबूत कर रहे हैं।

टाटा मोटर्सने लॉन्च किया ऑल-न्यू एलपीटी 812, मुनाफे में नए मानक स्थापित किये

भारत का पहला 4-टायर ट्रक जिसकी पेलोड क्षमता 5 टन है, शहरी दुलाई को कर रहा है फिर से परिभाषित

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज इंटरमीडिएट, लाइट और मीडियम कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में ऑल-न्यू टाटा एलपीटी 812 को लॉन्च किया है।यह अपनी उच्च पेलोड क्षमता के साथ गाड़ी के मालिकों को अधिक मुनाफा दिलाएगा और संचालन लागत में नए मानक स्थापित करेगा। अपनी उच्च पेलोड क्षमता के साथ, टाटा एलपीटी 812 फ्लीट मालिकों के लिए अधिक मुनाफ़े का भरोसा देता है।

फैक्ट्री-फिटेड एयर-कंडीशनिंग से लैस, एलपीटी 812 भारत का पहला 4-टायर ट्रक है जिसमें 5 टन की रेटेड पेलोड क्षमता है, जो शहरी सड़कों पर बेहतरीन संचालन के साथ अधिक पेलोड की सुविधा देता है। टाटा मोटर्स के प्रमाणित एलपीटी प्लेटफॉर्म पर निर्मित यह ट्रक 6-टायर वाहन की

मजबूती को 4-टायर ट्रक की दक्षता, फुर्ती और कम रखरखाव लागत के साथ जोड़ता है। विभिन्न लोड बॉडी विकल्पों के साथ यह वाहन औद्योगिक सामान, बाजार भार, फल-सब्ज़ी और कूरियर सहित कई क्षेत्रों में उपयुक्त है।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, श्री राजेश कौल, वाइस प्रेसिडेंट और ट्रक बिज़नेस हेड - टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स, ने कहा, टाटा एलपीटी 812 का लॉन्च इस सेगमेंट में ग्राहकों की लाभप्रदता के लिए एक नया मानक स्थापित करता है। यह अनूठा ट्रक न केवल बढ़ती उत्पादकता की जरूरतों को पूरा करता है, बल्कि बेहतर ईंधन दक्षता, संचालन में सहजता और अधिकतम अपटाइम भी प्रदान करता है।

कृपालु मेटल्स लिमिटेड का आईपीओ 11 सितंबर को होगा बंद, कंपनी अगले चरण के विस्तार पर केंद्रित

मुंबई, एजेंसी। कृपालु मेटल्स लिमिटेड पीतल और तांबे से बने विभिन्न उत्पादों की एक तेजी से बढ़ती निर्माता कंपनी है। कंपनी का आईपीओ 08 सितंबर 2025 को खुला, जिसके माध्यम से वह 13.48 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती है। यह इश्यू पूरी तरह से नया इश्यू है, जिसमें लगभग 0.19 करोड़ शेयर जारी किए गए हैं, जिनकी कुल कीमत 13.48 करोड़ रुपये है। इस आईपीओ का उद्देश्य उत्पादन क्षमता बढ़ाना, कार्यशील पूंजी को मजबूत करना और सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं को पूरा करना है। कृपालु मेटल्स लिमिटेड का आईपीओ 11 सितंबर 2025 को बंद होगा और शेयरों के आवंटन की प्रक्रिया 12 सितंबर 2025 को पूरी होने की उम्मीद है। कंपनी का यह आईपीओ बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध होगा। कृपालु मेटल्स लिमिटेड के आईपीओ का प्रति शेयर मूल्य 72.00 तय किया गया है। इस ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर फिनशोर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड हैं, जबकि केमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज लिमिटेड रजिस्ट्रार के रूप में नियुक्त है। कंपनी का मार्केट मेकर अनंत सिक्योरिटीज है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कंपनी 581.05 लाख का निवेश उन्नत संयंत्र और मशीनरी पर करेगी, ताकि अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर सके और पीतल एवं तांबे के उत्पादों की उत्पादन क्षमता बढ़ा सके।

फंड्स इंडिया ने ?20,000 करोड़ का एयूएम पार किया, भारत का पसंदीदा वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म बनने का लक्ष्य

चेन्नई, एजेंसी। भारत के अग्रणी डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म्स में गिने जाने वाले, फंड्सइंडिया ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का ऐलान किया है, जिसके मुताबिक इस प्लेटफॉर्म का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) ?20,000 करोड़ के पार चला गया है। यह उपलब्धि एक ऐसे भरोसेमंद फिनटेक लीडर के रूप में कंपनी की मार्केट में बेहद मजबूत स्थिति को रेखांकित करती है, जो बड़े पैमाने पर निवेशक-केंद्रित समाधान प्रदान कर रही है। फंड्सइंडिया का विकास पथ रिटेल निवेशकों, पार्टनर इकोसिस्टम और प्रायवेट वेल्थ क्लाइंट्स के लगातार हो रहे विस्तार को दर्शाता है, जिसके चलते वेल्थ मैनेजमेंट के क्षेत्र में कंपनी की स्थिति मजबूत हुई है। गहन शोध क्षमताओं और निवेशकों के स्थायी भरोसे की बदौलत, फंड्सइंडिया ने व्यक्तिगत मार्गदर्शन के साथ प्रौद्योगिकी-संचालित सुविधाएं जोड़ी हुई हैं, जिनके दम पर यह एक ऐसे फुल-सर्विस वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित होने के लिए प्रतिबद्ध है, जो वेल्थ मैनेजमेंट के व्यापक समाधान चाहने वाले हर निवेशक का पसंदीदा प्लेटफॉर्म बने।

गैलेक्सी मेडिकेयर लिमिटेड का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। गैलेक्सी मेडिकेयर लिमिटेड (कंपनी, गैलेक्सी), जो मेडिकल डिवाइसेज़, प्लास्टर ऑफ पेरिस बैंडेज़ और सर्जिकल ड्रेसिंग्स की निर्माता, व्यापारी और निर्यातक है, अपनी आईपीओ (इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग) 10 सितंबर 2025 को खोलने जा रही है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी ?22.31 करोड़ (ऊपरी प्राइस बैंड पर) जुटाने का लक्ष्य रखती है। शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस इश्यू का आकार 41,32,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका फेस वैल्यू ?10 प्रति शेयर है, और प्राइस बैंड ?51 से ?54 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है।

गैलेक्सी मेडिकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दिलीप कुमार दास ने कहा, हेल्थकेयर और मेडिकल डिवाइसेज़ उद्योग में हमारे तीन दशकों से अधिक के सफर को गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहकों के विश्वास की प्रतिबद्धता ने आगे बढ़ाया है। गैलेक्सी मेडिकेयर लिमिटेड ने अपने प्रमुख ब्रांडों, कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग, संस्थागत बिक्री, निर्यात और व्यापार सहित कई व्यवसायिक क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को लगातार मजबूत किया है। मेडिकल डिवाइसेज़, प्लास्टर ऑफ पेरिस बैंडेज़ और सर्जिकल ड्रेसिंग्स के 27 पंजीकृत ट्रेडमार्क के तहत विपणन किए जाने वाले विविध पोर्टफोलियो के साथ, हमने भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक मजबूत प्रतिष्ठा स्थापित की है।

आगामी आईपीओ हमें भुवनेश्वर सुविधा में उन्नत मशीनरी की खरीद के माध्यम से हमारी उत्पादन क्षमता को मजबूत करने में सक्षम बनाएगा, जिससे हमारी उत्पादन दक्षता और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त, प्राप्त धनराशि हमारे कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं का समर्थन करेगी, जिससे हम बढ़ती मांग को पूरा कर सकेंगे और अपने संस्थागत तथा निर्यात व्यवसाय का और विस्तार कर सकेंगे। हमें विश्वास है कि यह कदम हमें स्थायी विकास के लिए तैयार करेगा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सार्थक योगदान देगा, जो घरेलू और वैश्विक दोनों स्वास्थ्य आवश्यकताओं का समर्थन करेगा।

सीबीएम इंडिया और एसबीआई फाउंडेशन ने मध्य प्रदेश में 200 दिव्यांग बच्चों को सशक्त बनाने हेतु

नई परियोजना की शुरुआत की

भोपाल। सीबीएम इंडिया ने एसबीआई फाउंडेशन के साथ साझेदारी में एक नई तीन वर्षीय परियोजना की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य नर्मदापुरम ज़िले के 200 दिव्यांग बच्चों को शैक्षिक और चिकित्सीय सहयोग प्रदान करना है। इस परियोजना का औपचारिक शुभारंभ, 7 सितम्बर 2025 को नर्मदापुरम में किया गया है। यह परियोजना सीबीएम इंडिया द्वारा एसबीआई फाउंडेशन के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर पर्सन्स विद डिसएबिलिटीज़ के तहत लागू की जा रही है, जो फाउंडेशन के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। यह नर्मदापुरम और बाबई खंडों में लागू होगी, जिन्हें इस क्षेत्र में देखी गई आवश्यकताओं के आधार पर चुना गया है। यद्यपि कई दिव्यांग बच्चे स्कूलों में नामांकित हैं, लेकिन सहायक उपकरण, चिकित्सीय सेवाओं और समावेशी शिक्षा वातावरण तक उनकी पहुँच अभी भी सीमित है। परिवारों के पास अक्सर उपलब्ध सहयोग के बारे में जानकारी की कमी होती है और आर्थिक सीमाएँ उन्हें निजी देखभाल प्राप्त करने से रोकती हैं। सीबीएम इंडिया पहले से ही इन दोनों खंडों में स्थानीय समुदायों के साथ अपने पूर्व पहलों के माध्यम से सक्रिय उपस्थिति दर्ज कर चुका है।

OFFICE OF
Executive Engineer Jaisinghpur Division HPPWD Jaisinghpur Himachal Pradesh Works Department Jaisinghpur 176095 Phone No. 01894-228030 email ee-jaipwd-hp@gov.in

E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer, Jaisinghpur Division, HPPWD, Jaisinghpur on behalf of the Governor of Himachal Pradesh invites the online bids on percentage rate of following works from the eligible and approved Contactors/Firms registered with HPPWD Department:-

Sr. No.	Name of Work	Estimated cost in Rs.	Earnest Money	Time Limit	Cost of Tender form	Start date for downloading of bid	Deadline for submission of Bid
1	Restoration of rain damages on Bhawarna Jhunga Devi road KM 15/500 to 26/250(SH:- Hiring of JCB / Excavator and Tipper for removal of slips and clearing of berms)	4,83,500/-	9700/-	One month	350/-	12.09.2025	17.09.2025

The bidders are advised to note other details of tenders from the departmental website https://hptenders.gov.in. The Executive Engineer reserves the right to reject any tender or all tenders without assigning any reasons.

HIM SUCHANA AVAM JAN SAMPARK.

Executive Engineer
Jaisinghpur Division,
HP.PWD., Jaisinghpur.
(On behalf of Governor of Himachal Pradesh)

R.No. 2901/2025-2026

उत्तर रेलवे

टेंडर नोटिस संख्याः- 61256141A

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई-प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, जगाधरी वर्कशॉप-135002 द्वारा फर्मों को निम्नलिखित मदों के लिए ई-निविदाओं के माध्यम से आमंत्रित किया जाता हैः-

क्रम संख्या	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	बंद होने की तिथि
1.	61256141A	एंटर – व्हीकल पावर कपलर विथ ई-बीम केबल्स	20 सेट्स	03 अक्टूबर 2025

निविदा शर्तें- 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैन्युअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। 2736/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/एफ एस उत्तर रेलवे, अंबाला छावनी। भारत के राष्ट्रपति की ओर से 02 वर्षों की अवधि के लिए अंबाला मंडल में विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में ब्रेक वैन के एसएलआर/एसएलआरडी कम्पार्टमेंट में पार्सल स्पेस (4 एमटी/3.9 एमटी) को पट्टे पर देने के अनुबंध के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट पर ई-नीलामी लीजिंग के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती हैं। निम्नलिखित विवरणानुसार, निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

नीलामी केटलॉग सं.	UMB-SLR-11-2025 (06 lots)
नीलामी शुरू होने की दिनांक एवं समय	23.09.2025 /12:00
नीलामी समाप्त होने की दिनांक एवं समय	23.09.2025 /13:20

S.No.	Auction Catalogue No. & Train Details
1.	12450 Ex. CDG-MAO (FSLR-I)
2.	12232 Ex. CDG-LKO (FSLR-I)
3.	12218 Ex. CDG-TVCN (RSLR-I)
4.	14522 Ex. UMB-DLI (FSLR-I)
5.	19308 Ex. UHL-INDB (FSLR-I)
6.	22456 Ex. KLK-SNSI (FSLR-I)

ई-नीलामी में भाग लेने या ई-नीलामी प्रक्रिया से संबंधित किसी भी अन्य जानकारी के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2739/2025

समुद्र के नीचे मिली दूसरी दुनिया, कभी यहीं दफनाए जाते थे लोग

समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ.

कुछ जगहें होती हैं, जहां जाने के बाद हमें उम्मीद होती है कि मिलेगा कुछ और लेकिन मिल कुछ अलग ही जाता है. फिर चाहे ये घर का कोई कोना हो या फिर समंदर के अंदर की गहराई हो. समुद्र में जाने वाले गोताखोरों को कभी कुछ अलग ही हाथ लग जाता है लेकिन इस बात की उम्मीद तो किसी को भी नहीं होती है कि उन्हें यहां एक दूसरी दुनिया का रास्ता दिख जाएगा. समंदर में डाइविंग करते वक्त अगर आपको कोई खतरनाक या दुर्लभ समुद्री जीव मिल जाए, तो हैरानी होती है लेकिन अगर यहां कोई दूसरी दुनिया दिख जाए, तो होश उड़ जाएंगे. कुछ ऐसा ही हुआ एक पुरातत्व वैज्ञानिक के साथ. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के फ्लोरिडा में मौजूद लेक ओकीचोबी में एक अलग ही दुनिया की खोज हुई.

समंदर के नीचे कब्रों की दुनिया!

मई, 2023 में Dry Tortugas National Park की ओर से घोषणा की गई थी कि गार्डेन की के पास मौजूद आइलैंड में एक अस्पताल और कब्रिस्तान मिला था. उस वक्त वैज्ञानिकों ने बताया था कि ये ऐतिहासिक कब्रगाह है, जहां दर्जनों लोग दफनाए गए होंगे. अब आर्कियोलॉजिस्ट जोश मरानो ने कहा है कि ये कब्रिस्तान सिर्फ ज़मीन के ऊपर ही नहीं बल्कि पानी के अंदर गहराई में भी मौजूद है. झील की गहराई में बहुत सी ऐसी कहानियां और रहस्य हर साल मिलते हैं, जो इस जगह को और भी रहस्यमयी और खौफनाक बना देते हैं. चूंकि यहां पर कब्रें हैं, ऐसे में इसे भूतिया भी माना जाता है.

आखिर किसकी हैं ये कब्रें

पुरातत्व एक्सपर्ट्स ने कहा है कि ये कब्रें कुख्यात कैदियों की हो सकती हैं, जिनकी कहानियां जानने के लिए कोशिश की जा रही है. जोश मरानो का कहना है कि ये कब्रें अमेरिकन सिपाहियों की भी हो सकती हैं, जो फोर्ट जेफरसन में तैनात रहे हों. वहीं अस्पताल में 1890-1900 के बीच यलो फीवर के मरीज़ों का ट्रीटमेंट होता था. ये वही जगह है, जिसे अमेरिकन सिविल वॉर के वक्त कैदियों को रखने के लिए इस्तेमाल किया गया था. ऐसे में ये जगह उनके टॉर्चर और दर्दनाक मौत की भी कहानियां समेटे हुए है.

एक रहस्य बना साधारण सा दिखता है ये पुल

सुंदर और छोटा सा यह पुल देखने में बहुत ही अनोखा नहीं है. लेकिन फिर भी यह दुनिया के सबसे अजीब पुलों में से एक है. सबसे अजीब बात ये है कि यहां कुत्ते भी आकर आत्महत्या करते रहे हैं. ऐसा क्यों होता है यह आज तक रहस्य बना हुआ है.

आपने दुनिया के खतरनाक पुलों के बारे में सुना होगा लेकिन एक पुल किसी कोने से खतरनाक नहीं दिखता है. साधारण सा होने के बाद भी यह अपने आप में कम आकर्षक नहीं है. फिर भी स्कॉटलैंड रका ओवरटाउन ब्रिज, एक अजीब सी वजह के लिए मशहूर है. यहां कुत्ते आत्महत्या करते रहे हैं. हैरानी की बात यह है कि इसका सटीक कारण पता नहीं है. ओवरटाउन ब्रिज 1895 में बना था. 15 मीटर का गोथिक स्टाइल का यह पुल खुरदर एशलर के पत्थरों से बना है. इसमें तीन मेहराब हैं जो एक खड़ी घाटी को दो किनारों को जोड़ते हैं. एक बीच का मेहराब बड़ा है जिसके दोनों ओर दो निचले और छोटे मेहराब हैं. प्राकृतिक पेड़ पौधों के बीच यह बीच खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है. लेकिन इसकी चर्चा कुत्तों की वजह से अधिक होती है.

1859 में, ओवरटाउन फार्म को स्कॉटिश उद्योगपति जेम्स व्हाइट ने खरीदा. 1884 में व्हाइट की मौत के बाद उनके बेटे, जॉन कैंपबेल व्हाइट को घर और उसकी संपत्ति विरासत में मिली और उन्होंने घर के ड्राइववे को एक गहरी खाई में विस्तारित करने की योजना पर काम शुरू कर दिया ताकि आसान पहुंच मिल सके. उन्होंने एक पुल का डिजाइन बनाने के लिए लैंडस्केप आर्किटेक्ट और सिविल इंजीनियर हेनरी मिलनर को काम पर रखा.

इस पुल के निर्माण के बाद से अब तक 600 से ज़्यादा आत्महत्याओं का इतिहास रहा है. इससे भी ज़्यादा डरावना यह है कि पिछले कई दशकों में 50 से ज़्यादा कुत्ते इस पुल से कूदकर अपनी जान दे चुके हैं, जिससे जानवरों की आत्महत्या की संभावना पर सवाल उठते हैं.

इस बात का कोई सबूत नहीं मिले है कि पुल पर किसी अलौकिक शक्ति का वास या किसी भूत प्रेत का साया है, लेकिन ओवरटाउन की श्वेत महिला की किंवदंती अभी भी कायम है. लेकिन कुत्तों की आत्महत्या के पीछे एक कारण यह बताया जाता है कि पुल के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले मिंक की गंध कुत्तों को कूदने के लिए आकर्षित करती है. लेकिन कुत्तों के यूं मरने का एक ही कारण नहीं बताया जाता है. एक अन्य सिद्धांत यह सुझाव देता है कि कुत्ते किसी तरह की अदृश्य उपस्थिति से डर जाते हैं. यह कोई ऐसी ध्वनि या कंपन है जिसे इंसान नहीं समझ सकते. वहीं कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि पुल की रेलिंग के कारण कुत्ते अपनी छलांग का गलत अनुमान लगा लेते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती है. कई वैज्ञानिक अध्ययनों और जांचों के बावजूद, ओवरटाउन ब्रिज पर कुत्तों की आत्महत्या का कारण आज भी एक रहस्य बना हुआ है.

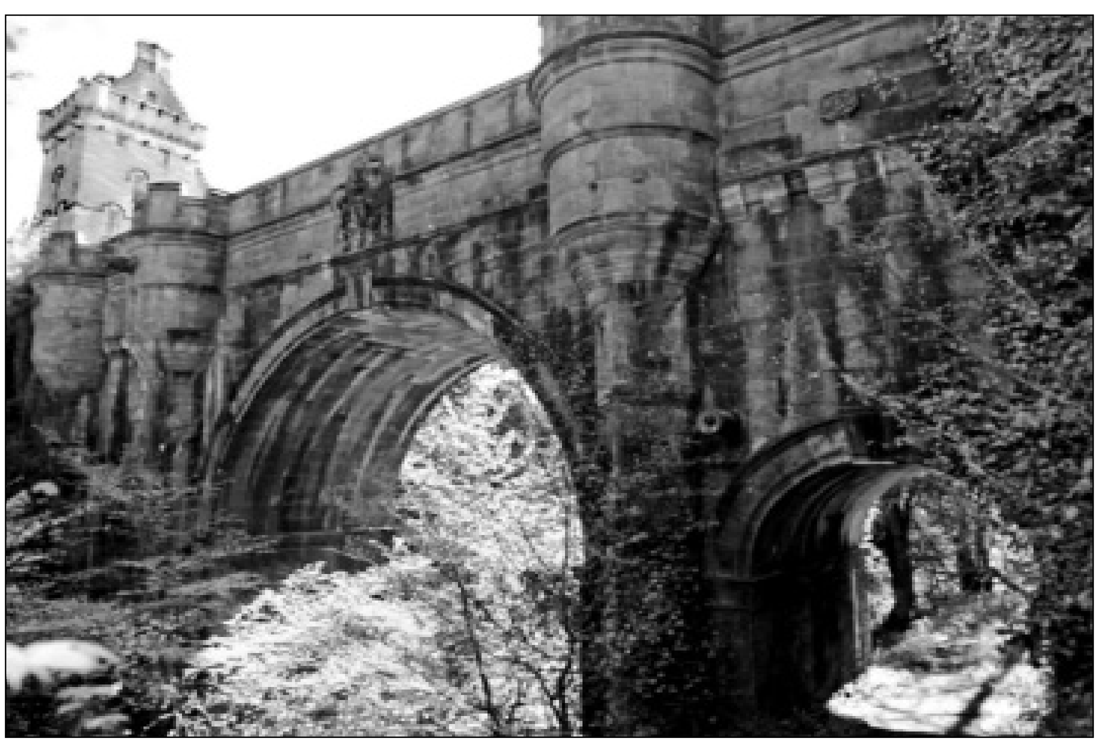

दुनिया का सबसे संकरा शहर है यांजिन

क्या आपने किसी ऐसे शहर के बारे में सुना है, जिसे सबसे संकरा माना जाता है? वो शहर न सिर्फ नदी के दोनों किनारों पर बसा है, बल्कि पहाड़ों के बीचों-बीच है. वहां से बाहर निकलने का सिर्फ एक रास्ता है. देखने में ये जितना खूबसूरत लगेगा, उतना ही ज्यादा डरावना भी लग सकता है.

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप किसी ऐसे शहर के बारे में जानते हैं, जिसे दुनिया में सबसे संकरा माना जाता हो? यकीनन, ज्यादातर लोगों को इसके बारे में पता नहीं होगा. लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ही शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां जाने वालों का कलेजा कांप उठेगा. हर पल कंपकंपी होगी. ऐसा इसलिए क्योंकि यह शहर पहाड़ों के बीचों-बीच बहने वाली एक नदी के दोनों किनारों पर बसा हुआ है. इस वजह से इसे सबसे संकरा शहर का दर्जा भी मिला है. लेकिन ये शहर भी कोई छोटा-मोटा नहीं है, बल्कि यहां 5 लाख से ज्यादा की आबादी रहती है. इस शहर का नाम यांजिन है, जो पहाड़ों के बीच बहने वाली नांक्सी नदी के दोनों मुहानों पर बसा है. यांजिन सिटी, चीन का एक प्रमुख शहर है. चीन के युनान प्रांत में बसे इस शहर को दुनिया का सबसे संकरा शहर माना गया है. पहली बार में इस शहर को देखने पर यकीन करना भी मुश्किल हो जाता है कि वाकई में कोई ऐसा शहर इस धरती पर मौजूद है. हालांकि, पहाड़ों से इस शहर की खूबसूरती देखना वाकई में अद्भुत है. ये किसी फिल्म या डॉक्यूमेंट्री का हिस्सा लगेगा. लेकिन आपको बता दें कि देखने में भले ही ये बेहद खूबसूरत लगे, लेकिन ऐसी परिस्थिति में रहना आसान नहीं है.

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि शहर का सबसे संकरा इलाका 30 मीटर, जबकि सबसे फैला हुआ इलाका 300 मीटर चौड़ा है. नदी के दोनों किनारों पर एक-एक रोड है, जिससे होकर यहां के लोग बाहर निकलते हैं. वहीं, टूरिस्ट भी इन सड़कों से होकर ही इस शहर के अंदर प्रवेश करते हैं. नदी की वजह से ये सड़कें कई किलोमीटर लंबी हैं. उनके किनारे घर बने हुए हैं, लेकिन पुलों की संख्या कम है. लेकिन पहाड़ों के बीच बसे इस शहर में जाने के दौरान ज्यादातर लोगों की हालत खराब हो सकती है. बाढ़ से बचाने के लिए नदी किनारे के बिल्डिंग्स को खंभों के सहारे बनाया गया है, ताकि बाढ़ का पानी उसके नीचे ही रहे. अब आप सोच रहे होंगे कि इतनी मुश्किलों के बीच लोग क्यों रहते हैं? तो बता दें कि यहां पर रहने वाले ज्यादातर लोगों की कई पीढ़ियां यहां रह चुकी हैं. ऐसे में वो इस शहर को छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं.

अमेजन नदी में पाई जाती हैं पिंक रिवर डॉल्फिन

पिंक रिवर डॉल्फिन अमेजन नदी में पाई जाने वाली साफ पानी की सबसे बड़ी डॉल्फिन होती हैं. कई खासियातों से भरपूर ये बहुत बुद्धिमान होती हैं और अपने गुलाबी रंग के अलावा आंख खोल कर सोने के लिए मशहूर होती हैं. ये इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं, बल्कि उनके साथ खेलती भी है, फिर भी इन्हें अकेलापन पसंद होता है.

डॉल्फिन को बिना किसी विवाद के दुनिया के सबसे सुंदर जानवरों में शुमार किया जाता है. ये ना केवल दिमाग की बहुत तेज होती हैं. बल्कि की मामलों में इंसानों को भी समझ सकती हैं. वैज्ञानिक मानते हैं की इनसें बातचीत भी की जा सकती है. लेकिन कम लोग जानते हैं कि इनकी एक अनोखी प्रजाति भी होती है. गुलाबी डॉल्फिन नदियों में मिलने वाली डॉल्फिनों अलग ही स्थान रखती हैं.

अमेजॉन पिंक रिवर डॉल्फिन को बोटो या बुफियो या अमेजॉन रिवर डॉल्फिन भी कहा जाता है. केवल साफ पानी में मिलती हैं. ये शर्मीली जीव मानी जाती हैं, स्थानीय बच्चों के साथ उत्सुकता से खेलती हैं, और आक्रामक व्यवहार नहीं दिखाती हैं. इन्हें अकेलापन खास तौर से पसंद है.

पिंक रिवर डॉल्फिन पाँच मीठे पानी की प्रजातियों में से सबसे बड़ी और सबसे बुद्धिमान है. एक पूर्ण विकसित डॉल्फिन 2.7 मीटर तक लंबी हो सकती है, इसका वजन 181 किलोग्राम तक हो सकता है और यह 30 साल तक जीवित रह सकती है. उनके पास असामान्य रूप से बड़ा मस्तिष्क भी होता है, जिसमें मनुष्यों की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक मस्तिष्क क्षमता होती है! पिंक रिवर डॉल्फिन अपने गुलाबी रंग के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन वे इस तरह से पैदा नहीं हुए थे. डॉल्फिन वास्तव में भूरे रंग के होते हैं और उम्र बढ़ने के साथ धीरे-धीरे गुलाबी हो जाते हैं. नर डॉल्फिन मादाओं से ज्यादा गुलाबी होते हैं. और मादाएं इस रंग के प्रति आकर्षित भी ज्यादा होती हैं. गुलाबी नदी डॉल्फ़िन बहुत फुर्तीली होती हैं. उनकी गर्दन और रीढ़ का नाता दूसरी डॉल्फिन से काफी अलग होता है. वे अपने सिर को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ सकती है. इस कारण वे जबर्दस्त पैंतरेबाजी कर सकती हैं. वे एक फ्लिपर के

पिंक रिवर डॉल्फिन कई दक्षिण अमेरिकी लोककथाओं का विषय है, लेकिन सभी परोपकारी नहीं हैं. ऐसी ही एक किंवदंती का दावा है है कि यदि आप अकेले तैरने जाते हैं, तो डॉल्फिन आपको एक जादुई पानी के नीचे के शहर में ले जा सकती हैं, जिसके कारण स्थानीय लोगों में शाम और भोर के बीच पानी के पास जाने या अकेले जल निकायों में प्रवेश करने का डर है.

डॉल्फिन को नुकसान पहुंचाना अपशकुन माना जाता है, और उन्हें खाना और भी बुरा माना जाता है. शरीर से लचीली और दिमाग से तेज होने के बावजूद पिंक रिवर डॉल्फिन दूसरी डॉल्फिन की तुलना में धीमी गति से तैरती हैं. वयस्क गुलाबी नदी डॉल्फ़िन आम तौर पर 8-13 किमी प्रति घंटा की गति से तैरती हैं, कभी-कभी छोटी दूरी पर 24 किमी प्रति घंटा तक की गति से तैरती हैं.

FIFA World Cup:

टोनाली ने विश्व कप क्वालिफाइंग मैच में इटली को दिलाई जीत

डेब्रेसेन (हंगरी), एजेंसी। इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फ़ुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इस्राइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जून में नॉर्वे से 3-0 की हार के बाद इटली का क्वालिफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इस्राइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी। इटली ने मोइज कीन के दो गोल की मदद से बराबरी की। इसके बाद 59वें मिनट में माटेओ पोलिटानो ने माटेओ रेटेगुई ने इटली को बढ़त दिलाई और जियाकोमो रास्पाडोरी ने चौथा गोल किया। लेकिन इस्राइल ने दो मिनट में दो गोल करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। उसकी तरफ से डोर पेरेट्ज ने दो गोल किए।

इस्राइल को दी शिकस्त

10 सितंबर का ऐतिहासिक दिन, जब रियो पैरालंपिक में दो भारतीयों ने लहराया तिरंगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल जगत के लिए 10 सितंबर यादगार है। इसी दिन रियो पैरालंपिक के एक ही इवेंट में भारत के दो खिलाड़ियों ने पदक जीते थे।

यह बात साल 2016 की है। मौका रियो पैरालंपिक का है। 10 सितंबर के दिन मरियप्पन थंगावेलु ने पुरुषों की ऊंची कूद के टी42 इवेंट में 1.89 मीटर की जंप के साथ नया पैरालंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए देश के लिए गोल्ड जीता। इसी के साथ मरियप्पन ऊंची कूद में पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। 28 जून 1995 को सलेम स्थित एक छोटे से गांव में जन्मे मरियप्पन बेहद गरीब परिवार से थे। छह बच्चों के सिर से पिता का साया उठ चुका था। ऐसे में मां दिहाड़ी मजदूरी करने के अलावा सब्जी बेचकर किसी तरह परिवार का पेट भरती।

जब मरियप्पन महज पांच साल के थे, तब एक हादसे ने उनकी जिंदगी ही बदल दी। नशे में धुत एक बस ड्राइवर ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसके चलते उनके दाहिने पैर का घुटना कुचल गया। इसी हादसे ने मरियप्पन को लकड़ी के सहारे चलने को मजबूर कर दिया। मरियप्पन को खेल बहुत पसंद था। एक शिक्षक ने उन्हें ऊंची कूद के लिए प्रेरित किया और स्थानीय प्रतियोगिताओं में मरियप्पन ने खुद को साबित कर दिया। साल 2015 में सत्यनारायण ने उन्हें बेंगलुरु स्थित अपने ट्रेनिंग कैंप में शामिल किया और उनके मार्गदर्शन में इस खिलाड़ी ने देश के लिए पदक जीता।

मरियप्पन को साल 2017 में पद्म श्री और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। साल 2020 में उन्हें मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार से नावाजा गया। जिस इवेंट में मरियप्पन थंगावेलु ने गोल्ड जीता, उसी इवेंट में वरुण सिंह भाटी ने 1.86 मीटर की कूद के साथ ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। यह व्यक्तिगत तौर पर उनका सर्वश्रेष्ठ था। 13 फरवरी 1995 को ग्रेटर नोएडा में जन्मे वरुण भाटी का पहला प्यार बास्केटबॉल था, लेकिन पोलियो के चलते वह इस खेल में अपने करियर को आगे नहीं बढ़ा सके।

वरुण भाटी खेलों में देश का नाम रोशन करना चाहते थे। ऐसे में उन्हें कोच ने ऊंची कूद के लिए प्रेरित किया। भाटी स्कूल के दिनों में ही इस खेल के लिए घंटों प्रैक्टिस करने लगे। इस बीच परिवार भी उनका भरपूर सपोर्ट कर रहा था।

वरुण भाटी अपने शानदार खेल के साथ एक के बाद एक मेडल जीतते गए और पैरालंपिक गेम्स में अपनी जगह बनाई। उन्होंने पैरालंपिक में पदक जीतकर कई खिलाड़ियों को प्रेरित किया।

टेबिल टेनिसः
अनन्या और दिव्यांशी की जोड़ी का दमदार प्रदर्शन

स्टार कंटेंडर में अंडर-15 युगल खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। अनन्या मुरलीधरन और दिव्यांशी भौमिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में झाओ वैंगकी और ल्यु झिलिंग की चीन की जोड़ी को हराकर डब्ल्यूटीटी युवा स्टार कंटेंडर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-15 लड़कियों के युगल वर्ग का खिताब जीता। कड़े मुकाबले में अनन्या और दिव्यांशी ने अपना धैर्य बरकरार रखते हुए चीन की जोड़ी के खिलाफ 11-8, 7-11, 11-8, 6-11, 14-12 से जीत दर्ज की। दबाव को झेलने और तनावपूर्ण क्षणों में आक्रामक जवाब देने की क्षमता भारतीय जोड़ी को पोडियम पर शीर्ष स्थान दिलाने में निर्णायक साबित हुई। इससे पहले सेमीफाइनल में इस जोड़ी ने हमवतन रियाना भूटा और अंकोलिका चक्रवर्ती को 3-1 (11-2, 10-12, 11-3, 11-6) से हराया था। रियाना और अंकोलिका को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के लिए पीबी अभिनंद और ऋत्विक गुप्ता ने क्रमशः अंडर-19 और अंडर-15 बालक एकल वर्ग में रजत पदक जीते। अभिनंद जापान के इवैडा शुंटो के खिलाफ सीधे गेम में 0-3 (6-11, 7-11, 8-11) से हार गए जबकि ऋत्विक को भी खिताबी मुकाबले में कोरिया के ली सेयुंगसू के खिलाफ 0-3 (8-11, 5-11, 8-11) से शिकस्त झेलनी पड़ी। अंडर-19 मिश्रित युगल में अभिनंद और सिंड्रेला दास की जोड़ी जबकि अंडर-15 बालक युगल में ऋत्विक और साहिल रावत की जोड़ी ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल छह पदक जीते।

पाकिस्तानी गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के 31 वर्षीय तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान के लिए कुल 34 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले इस क्रिकेटर ने दिसंबर 2019 में आखिरी बार पाकिस्तान की ओर से खेला था।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान खान शिनवारी ने साल 2013 में पाकिस्तान की तरफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू किया। टी20 फॉर्मेट के डेब्यू के बाद उन्हें वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेलने का मौका भी मिला। शिनवारी ने पाकिस्तान की ओर से 17 वनडे मैच खेले, जिसमें 18.61 की औसत के साथ 34 शिकार किए। वहीं, 16 टी20 मुकाबलों में इस गेंदबाज ने 13 विकेट निकाले। इस तेज गेंदबाज ने दिसंबर 2019 में इकलौता टेस्ट मैच खेला। श्रीलंका के खिलाफ रावलपिंडी में आयोजित इस मुकाबले में शिनवारी ने 54 रन देकर सिर्फ एक ही विकेट अपने नाम किया था। इसके तुरंत बाद वह टीम से बाहर हो गए और अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट भी खो दिया।

शिनवारी एसीसी पुरुष वनडे एशिया कप 2018 में पाकिस्तानी टीम का हिस्सा थे। अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज को अपने छोटे से कार्यकाल में ही कई बार पीठ की चोट का सामना करना पड़ा, जिसने उनके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रास्ते बंद कर दिए। वनडे फॉर्मेट में शिनवारी श्रीलंका के खिलाफ दो मुकाबलों में पांच शिकार कर चुके हैं। उन्होंने साल 2017 में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में 34 रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। इसके बाद साल 2019 में कराची के नेशनल बैंक स्टेडियम में 51 रन देकर पांच विकेट निकाले। बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज साल 2021 में रेड बॉल फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर चुका था। साल 2013 में डिपार्टमेंटल टी20 कप के फाइनल में किशोर शिनवारी ने सभी का ध्यान खींचा था। उन्होंने अपनी सीम और स्विंग के साथ 3.1 ओवरों में महज नौ रन देकर पांच विकेट हासिल किए थे। मिस्बाह-उल-हक की अगुवाई वाली एसएनजीपीएल टीम को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड को राहत, कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौटे स्टोक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। एशेज सीरीज से पहले इंग्लैंड की टीम को बड़ी राहत मिली है। टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स कंधे की चोट के बाद ट्रेनिंग पर लौट आए हैं। ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड की टीमें पांच मुकाबलों की एशेज सीरीज 21 नवंबर से 8 जनवरी के बीच खेलेंगी। माना जा रहा था कि चोटिल होने के बाद यह अनुभवी ऑलराउंडर करीब छह या सात हफ्ते तक मैदान से दूर रह सकता है, लेकिन इंग्लैंड की काउंटी टीम डरहम के साथ नेट्स में ट्रेनिंग पर वापसी करते हुए स्टोक्स ने तमाम आशंकाओं को दूर कर दिया। डरहम के कोच रयान कैंपबेल ने पुष्टि करते हुए बताया कि स्टोक्स ट्रेनिंग के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी के लिए लौट आए हैं। कैंपबेल ने बीबीसी रेडियो 5 लाइव पर कहा, स्टोक्स ट्रेनिंग पर वापस आ गए हैं। पिछले हफ्ते से उन्होंने बल्लेबाजी शुरू कर दी। उनका सेशन वाकई अच्छा रहा। उन्होंने करीब दो घंटे तक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी अच्छी नजर आ रही है, लेकिन उन्हें गेंदबाजी में अभी काफी समय लगेगा। कैंपबेल के मुताबिक, इंग्लैंड की टीम एशेज तभी जीत सकती है, जब स्टोक्स पांचों टेस्ट मैच खेलें और अच्छा प्रदर्शन करें, लेकिन उन्हें यकीन नहीं है कि स्टोक्स ऐसा कर पाएंगे। कैंपबेल ने कहा, स्टोक्स टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत बनाते हैं। वह तीसरे या चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर एक शानदार विकल्प हैं। वह कई ओवर गेंदबाजी करते हुए आपको विकेट दिला सकते हैं। जिस तरह से वह अपनी लय हासिल करने की कोशिश करते हैं, उसे देखकर मुझे हैरानी होती है। यही वजह है कि वह अब तक के सबसे महान ऑलराउंडर में से एक हैं। यही वजह है कि वह एशेज लिए तैयार हैं। वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, लेकिन क्या वह वर्कलोड के साथ लगातार पांच टेस्ट खेल सकते हैं? इसके लिए वह कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे पूरा यकीन नहीं है। जुलाई में मैनचेस्टर में भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान कंधे में चोट लगने के बाद से स्टोक्स ने कोई मैच नहीं खेला है। उन्हें भारत के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट से बाहर कर दिया गया। उनके स्थान पर ओली पोप को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया था।

श्रीलंका 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में ODI खेलेगा

नवंबर में खेली जाएगी सीरीज; ट्राई सीरीज की भी मेजबानी करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका की टीम इस साल नवंबर में वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी। दोनों देशों के बीच यह तीन मैचों की सीरीज 11 से 15 नवंबर 2025 के बीच रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। श्रीलंका की टीम 2019 के बाद पहली बार पाकिस्तान में कोई वनडे सीरीज खेलेगी। पिछली बार जब श्रीलंका ने पाकिस्तान का दौरा किया था, तब तीन वनडे खेले गए थे, जिसमें पाकिस्तान ने 2-0 से सीरीज अपने नाम की थी। पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था।

मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्केल ने कहा, मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं। उन्होंने आगे कहा, और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।

कुलदीप हाल ही में दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन के लिए खेलते हुए नजर आए। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ प्लेऑफ में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों पारियों में प्रभावित करने में नाकाम रहे। 30 वर्षीय इस गेंदबाज ने मैच के दौरान 32 ओवर फेंके और कोई विकेट नहीं ले पाए।

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची हैः हेजलवुड

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है।

हेजलवुड ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।

आईएसएसएफ विश्व कप के पहले दिन भारतीय निशानेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन, जानें

निंगबो (चीन), एजेंसी। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। भारत का आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में पहले दिन निराशाजनक प्रदर्शन रहा क्योंकि उसकी 10 मीटर एयर पिस्टल और राइफल मिश्रित टीमें मंगलवार को यहां फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहीं। 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में दोनों भारतीय जोड़ियां क्वालीफिकेशन में क्रमशः 11वें और 13वें स्थान, जबकि 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम में 14वें और 34वें स्थान पर रही। सुरभि राव और युवा अमित शर्मा की जोड़ी 10 मीटर एयर पिस्टल में 594 के कुल क्वालीफिकेशन राउंड स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रही। सुरभि ने 284 जबकि शर्मा ने 290 का स्कोर किया। चीन ने 585 अंकों के साथ क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान प्राप्त किया तथा स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में चेक गणराज्य को 17-5 से हराया। ओलंपियन रिदम सांगवान और निशांत रावत की अन्य भारतीय जोड़ी 21 टीमों में 571 अंक के साथ 13वें स्थान पर रही। रिदम ने 299 अंक बनाए, जबकि 23 वर्षीय रावत 282 अंक ही बना पाए। 10 मीटर एयर राइफल में, एशियाई खेलों की व्यक्तिगत कांस्य पदक विजेता रमिता जिंदल और मदीनेनी उमामहेश की जोड़ी 628.6 अंक के साथ 14वें स्थान पर रही। रमिता ने 312.9 जबकि उमामहेश ने 315.7 अंक बनाए। पेंग शिनलू (318.5) और दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता शेंग लिहाओ (318.4) की चीनी जोड़ी ने 636.9 का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाकर क्वालीफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। ओलंपियन दिव्यांश सिंह पंवार (309.3) और मेघना सज्जनार (312.8) की अन्य भारतीय जोड़ी 36 टीमों में 622.1 अंक के साथ 34वें स्थान पर रही। भारत ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने के 24 खिलाड़ियों को भेजा है।

एशिया कप से पहले सूर्यकुमार यादव की चेतावनी, संभल जाए पाकिस्तान, वरना भुगतना होगा अंजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात की और उन्होंने एक बड़ा बयान दिया है। दुबई, एजेंसी। एशिया कप का आयोजन इस बार यूएई में किया जा रहा है। टीम इंडिया इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच 14 सितंबर को होगा। इस महामुकाबले से पहले भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान को हल्के अंदाज में चेतावनी दी है। उन्होंने साफ किया कि उनकी टीम मैदान पर हमेशा आक्रामक रहेगी। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत बुधवार को मेजबान यूएई के खिलाफ करेगा, जबकि पाकिस्तान का पहला मैच शुक्रवार को ओमान से होगा।

एशिया कप के लिए टीम इंडिया तैयार - एशिया कप शुरू होने से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब वे मैदान पर उतरते हैं तो आक्रामकता हमेशा रहती है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट बिना आक्रामकता के नहीं खेला जा सकता। उन्होंने अपनी टीम की तैयारियों के बारे में बताया कि भले ही टीम ने जून के बाद ज्यादा ञ्20 क्रिकेट नहीं खेला है, लेकिन आईपीएल में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और हाल ही में नेट पर बिताए गए समय से टीम पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि हम चुनौती स्वीकार करते हैं। देखते हैं कि यह कैसा होता है।जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम की रणनीति में कोई बदलाव होगा, तो भारतीय कप्तान ने एक मजेदार जवाब दिया, अभी तक सब बढ़िया चल रहा है, क्यों बिना मतलब का उंगली करना है। उनका कहने का मतलब था कि अगर सब कुछ ठीक चल रहा है तो बदलाव क्यों करें।

सूर्यकुमार की कप्तानी में पहली बड़ी परीक्षा - रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव भारत के फुल-टाइम कप्तान बने हैं। उनकी कप्तानी में टीम ने 22 में से 17 मैच जीते हैं, जो एक शानदार रिकॉर्ड है। एशिया कप सूर्या की कप्तानी में भारत का पहला मल्टी-नेशन टूर्नामेंट होगा, जो उनके लिए एक बड़ी परीक्षा साबित होगा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया काफी मजबूत नजर आ रही है।

न्यूज डायरी

चंडीगढ़ ड्राइवर यूनियन ने भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा आयोजन समिति के प्रधान प्रवीण शाह को दिया समर्थन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगवान वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष्य में शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो प्रेम, भाईचारा और एकता का संदेश पूरे समाज तक पहुँचाएगी।

इस अवसर पर ड्राइवर यूनियन के प्रधान अमन घावरी और उनकी पूरी टीम, साथ ही सफ़ाई कर्मचारी यूनियन राजीव 63 के प्रधान भाई मोनू बहोत एवं उनकी टीम ने भगवान वाल्मीकि शोभा यात्रा आयोजन समिति 2025 के चेयरमैन भाई प्रवीण शाह जी एवं उनकी टीम का फूलमालाओं से स्वागत किया। उन्होंने आगामी शोभा यात्रा में बढ़-चढ़कर शामिल होने का संकल्प भी लिया।

भगवान वाल्मीकि के जयकारों और "सोनू शाह-अमर रहे" के नारों से वातावरण गूंज उठा। महिलाओं और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर भाईचारे और एकता का संदेश दिया।

इस मौके पर भावुक होते हुए प्रवीण शाह ने कहा, "सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ हम सब छोटे-बड़े, भाई-बहन मिलकर इस शोभा यात्रा में शामिल हों और एकता का ऐसा संदेश दें जो पूरी दुनिया में फैलकर समाज को जोड़ने का कार्य करे।"

हरियाणा एलएसए, दूरसंचार विभाग और एनपीटीआई फरीदाबाद ने आयोजित किया "विद्युत क्षेत्र में पाँचवीं पीढ़ी प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग" पर एक दिवसीय कार्यशाला

हिन्द जनपथ
फरीदाबाद (ब्यूरो)। दूरसंचार विभाग, हरियाणा एलएसए ने राष्ट्रीय विद्युत प्रशिक्षण संस्थान (एनपीटीआई), फरीदाबाद के सहयोग से "विद्युत क्षेत्र में पाँचवीं पीढ़ी प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन एनपीटीआई फरीदाबाद में किया। यह पहल दूरसंचार विभाग के देशभर में स्थापित सौ पाँचवीं पीढ़ी उपयोग प्रयोगशालाओं कार्यक्रम का हिस्सा है, जिनमें से एक प्रमुख प्रयोगशाला एनपीटीआई फरीदाबाद में स्थित है।

इस अवसर पर दूरसंचार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें महानिदेशक श्रीमती सुनीता चंद्रा, अतिरिक्त महानिदेशक दूरसंचार (मुख्यालय) श्रीमती शुभा एन. भांभानी, अतिरिक्त महानिदेशक दूरसंचार हरियाणा एलएसए श्री आर. शाक्य, उप महानिदेशक (प्रौद्योगिकी) हरियाणा एलएसए श्री संजय कुमार, उप महानिदेशक (अनुसंधान) श्री अशोक कुमार और निदेशक (प्रौद्योगिकी) हरियाणा एलएसए श्री करण गोयल शामिल थे।

एनपीटीआई से महानिदेशक डॉ. त्रिप्ता ठाकुर, प्रधान निदेशक डॉ. एस. सेल्वम और निदेशक डॉ. एन. के. श्रीवास्तव ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यशाला में सौ से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें विद्युत उत्पादन, प्रसारण और वितरण क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल थे। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता विशेषज्ञों ने की और वक्ताओं में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद, प्रमुख उद्योग संस्थान, नवाचार आधारित इकाइयाँ और सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे।

इस कार्यशाला ने नीति-निर्माताओं, उद्योग नेताओं, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर पाँचवीं पीढ़ी तथा संबद्ध प्रौद्योगिकियों—कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्र अधिगम, वस्तुओं का इंटरनेट, मानव रहित यान तथा अंतरिक्ष आधारित नवाचारों—की भूमिका पर चर्चा की।

विचार-विमर्श का केंद्र बिंदु नई पीढ़ी की संचार तकनीकें, नवीन समाधान एकीकरण, अभिनव उपयोग मामलों और बदलते दिग्भ्रमण सुरक्षा परिदृश्य पर रहा।

लॉयंस क्लब, चण्डीगढ़ रेडियंस के प्रधान बने एडवोकेट करण एस. गिल

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। लॉयंस क्लब, चण्डीगढ़ रेडियंस ने लायनिस्टिक वर्ष 2025-26 के लिए अपने नए पदाधिकारियों का चयन किया जिसके तहत लॉयन एडवोकेट करण एस. गिल को चार्टर अध्यक्ष, लॉयन सीए धीरज कुमार को चार्टर सचिव और लॉयन डॉ. राज कृष्ण गुप्ता को चार्टर कोषाध्यक्ष चुना गया। इन सभी ने क्लब द्वारा आयोजित नए पदाधिकारियों के स्थापना समारोह में विधिवत पदभार संभाला। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पीएमजेएफ लॉयन ईआर रविंदर सागर (एमसीसी, एमडी 321) ने शिरकत की। कार्यक्रम में एमजेएफ लॉयन अजय कुमार गोयल (एफवीडीजी), एमजेएफ लॉयन नरेश कुमार गोयल (एसवीडीजी), एमजेएफ लॉयन ललित बहल (पीडीजी), एमजेएफ लॉयन जीएस कोहली (पीडीजी), लॉयन आरके राणा (पीडीजी) सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। समारोह में नव निर्वाचित पदाधिकारियों को एमजेएफ लॉयन अजय कुमार गोयल (एफवीडीजी) ने शपथ दिलाई। एमजेएफ लॉयन नरेश कुमार गोयल (एसवीडीजी) ने नए लॉयन सदस्यों को भी क्लब से जोड़ा।

मुख्य अतिथि और अन्य वक्ताओं ने क्लब द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। समारोह संयोजक लॉयन डॉ. राज कृष्ण गुप्ता ने कम समय में 16 सामाजिक कल्याण परियोजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया। क्लब अध्यक्ष लॉयन एडवोकेट करण एस. गिल और मास्टर ऑफ सेरेमनी लॉयन सीए धीरज कुमार ने आश्वासन दिया कि क्लब की सदस्यता और बढ़ाई जाएगी तथा गरीबों और समाज के उपेक्षित वर्ग के हित में और अधिक कल्याणकारी परियोजनाएं चलाई जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन और आयोजन सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली रहा। लॉयन गुरमेल सिंह ने क्लब की ओर से सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

स्प्री-2025 और सर्व-क्षमा योजना से बढ़ेगा सामाजिक सुरक्षा का दायरा: निदेशक, ईएसआईसी

ईएसआईसी निदेशक सुनील यादव ने गुरुग्राम में स्प्री-2025 और एमनेस्टी योजनाओं पर प्रकाश डाला

हिन्द जनपथ
गुरुग्राम(ब्यूरो)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के निदेशक (प्रभारी) सुनील यादव ने आज गुरुग्राम स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि निगम ने कर्मचारियों और नियोक्ताओं के हित में दो महत्वपूर्ण योजनाएं लागू की हैं। इनमें स्प्री-2025 और सर्व-क्षमा योजना 2025 शामिल हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य है- कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना और उद्योगों को मुकदमेबाज़ी के बोझ से राहत देना। 31 दिसंबर 2025 तक चलेगी स्प्री योजना।

सुनील यादव ने बताया कि स्प्री योजना 31 दिसंबर 2025 तक लागू रहेगी। इसके अंतर्गत वे सभी उद्योग और कर्मचारी, जो अब तक ईएसआईसी से नहीं जुड़े हैं, बिना पुराने बकाया की मांग का सामना किए पंजीकरण करा सकेंगे। नियोक्ता अपने उद्योगों और कर्मचारियों का पंजीकरण ईएसआई पोर्टल, श्रम सुविधा पोर्टल और कंपनी मामलों के पोर्टल के माध्यम से करा सकते हैं। इस योजना के तहत जो नियोक्ता पंजीकरण कराएंगे, उन्हें उनकी पंजीकरण की तिथि या उनके द्वारा घोषित तिथि से कवर्ड माना जाएगा। नए पंजीकृत कर्मचारियों को भी उनकी पंजीकरण की तिथि से ही ईएसआई लाभ मिलने लगेंगे।

स्वैच्छिक अनुपालन पर है ज़ोर

उन्होंने कहा कि इस योजना का आधार दंडात्मक कार्रवाई नहीं बल्कि स्वैच्छिक अनुपालन है। इससे मुकदमेबाज़ी का बोझ घटेगा, औपचारिक पंजीकरण को बढ़ावा मिलेगा और नियोक्ताओं व कर्मचारियों के बीच बेहतर विश्वास व सहयोग का माहौल बनेगा। सेमीनार में मैसर्स रिचा ग्लोबल एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स पर्ल ग्लोबल इंडिया लिमिटेड, मैसर्स रिचाको एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड आदि नियोक्ताओं ने इस सेमीनार में इन योजनाओं से संबंधित अपने प्रश्न एवं समस्या श्री सुनील यादव के समक्ष रखी। जिनका जवाब एवं निपटान उसी समय किया गया।

सर्व-क्षमा योजना 2025 से सुलझेंगे विवाद

निदेशक (प्रभारी) ने बताया कि निगम ने सर्व-क्षमा योजना 2025 को भी मंजूरी दी है। यह योजना एकमुश्त विवाद समाधान योजना है, जो 1 अक्टूबर 2025 से 30 सितंबर 2026 तक लागू रहेगी। इसमें कवरेज से जुड़े नुकसान, ब्याज और अन्य विवादों का निपटारा किया जाएगा। इस योजना का उद्देश्य मुकदमों की संख्या कम करना और नियोक्ताओं को राहत देते हुए ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत अनुपालन को और अधिक मज़बूत करना है।

उद्योग जगत ने किया स्वागत

सेमीनार सह प्रेस वार्ता में विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहें। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से छोटे-बड़े उद्योगों को राहत मिलेगी और कर्मचारियों को स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के लाभ आसानी से प्राप्त होंगे।

राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने सहकारी आधारित कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हिन्द जनपथ
नई दिल्ली (ब्यूरो)। राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एन.सी.ई.एल.) और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने आज सहकारी आधारित कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए। इस एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी की उपस्थिति में हुए। यह समझौता केंद्र सरकार की उस प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है जिसके अंतर्गत सहकारिता मंत्रालय और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की शक्तियों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इस समझौते पर एपीडा की ओर से अध्यक्ष श्री अभिषेक देव और एन.सी.ई.एल. की ओर से प्रबंध निदेशक श्री अनुपोम कौशिक ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी ने कहा कि एन.सी.ई.एल. के नेटवर्क को एपीडा की निर्यात सुविधा से जोड़ने से किसानों को बेहतर मूल्य मिलेगा, ग्रामीण आजीविकाएँ सशक्त होंगी और यह नई राष्ट्रीय सहकारिता नीति के उद्देश्यों के अनुरूप भारत की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में और मजबूत करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय, सहकारी संस्थाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के दृष्टिकोण पर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि एन.सी.ई.एल. और एपीडा मिलकर क्षमता निर्माण व प्रशिक्षण, निर्यात हेतु गुणवत्ता मानकीकरण, अवसंरचना सहयोग व पुनर्जीवन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी, अंतरराष्ट्रीय ब्रांडिंग व बाजार निर्माण, बाजार संबंधी जानकारी और आँकड़ा विश्लेषण तथा वस्तु-विशेष निर्यात रणनीति तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। डॉ. भूटानी ने कहा कि इस एम.ओ.यू. के अंतर्गत सहकारी समितियों को संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं के माध्यम से वैश्विक गुणवत्ता मानकों, खाद्य सुरक्षा और निर्यात दस्तावेज़ीकरण की गहन समझ विकसित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि एपीडा की निर्यात सुविधा को एन.सी.ई.एल. के व्यापक नेटवर्क से जोड़कर फलों, सब्ज़ियों, मसालों, प्रसंस्कृत खाद्य, अनाज और पशु उत्पादों के निर्यात की अनुपालन प्रक्रिया को और सरल बनाया जा सकता है।

हरियाणा बीजेपी ने चुनावी घोषणा पत्र में लाडो लक्ष्मी योजना का वादा किया पूरा

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा बीजेपी ने चुनावी घोषणा पत्र में हरियाणा की महिलाओं को लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 2100 देने का वादा सरकार बनने के कुछ ही महीना के अंदर पूरा किया जो स्वागत योग्य कार्य है। इस निर्णय से हरियाणा की महिलाओं को अपने ऊपर आत्मनिर्भर होने में मदद मिलेगी एवं महिलाएं समाज में बराबरी के साथ पुरुषों से कम से कदम मिलाकर आगे बढ़ने का काम करेंगी।

समाजसेवी व उद्योगपति दीपक गर्ग ने इस योजना को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सरकार बनने के कुछ महीने के अंदर ही शुरू करने के लिए धन्यवाद किया व हरियाणा भाजपा अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली से भेंट करके उन्हें वायदा पूरा करने पर शाल एवं पौधा देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर पंडित मोहनलाल बडौली ने कहा कि बीजेपी जो वादा जनता से करती है उसे पूरा करती है और हरियाणा की जनता ने इसी विश्वास के साथ हरियाणा में रिकॉर्ड तीसरी बार नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बीजेपी की सरकार चुनी है जो हरियाणा में डबल इंजन की सरकार है और हरियाणा के चहुमुखी विकास करने के साथ-साथ चुनाव में किए गए जो भी वादे हैं उसको पूरा करने का काम कर रही है।

उन्होंने कष्ट निवारण कमेटी, पंचकूला के सदस्य व एवं जाने-माने उद्योगपति दीपक गर्ग को शुभकामना देते हुए कहा कि जिस तरह से इतनी कम उम्र में हरियाणा के इस युवा ने अपनी एक पहचान बनाई है वह काफी तारीफ योग्य है और ऐसे लोगों के मेहनत और सहयोग के कारण ही हरियाणा तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है।

पंजाब में आईटीआई प्रवेश अस्वीकृति के संबंध में सी-डेक के खिलाफ झूठे दावे: वी.के. शर्मा, निदेशक, सी-डेक मोहाली

सी-डैक मोहाली ने पंजाब में ब्लैकलिस्टिंग के आरोपों का किया कड़ा खंडन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की एक वैज्ञानिक संस्था, प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक) ने कुछ समाचार पत्रों में 'पंजाब ने आईटीआई प्रवेश में गड़बड़ियों के कारण सी-डैक को ब्लैकलिस्ट किया' शीर्षक से प्रकाशित रिपोर्टों का कड़ा खंडन किया है। ये रिपोर्ट्स झूठी, भ्रामक और तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

सी-डैक मोहाली के निदेशक श्री वी.के. शर्मा ने बताया कि सी-डैक को 21 जून 2025 को पंजाब आईटीआई (सत्र 2025-26) की प्रवेश और परामर्श प्रक्रिया के लिए आईटी और कम्प्यूटेशनल सेवाएँ प्रदान करने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी। प्रवेश पोर्टल, कार्य सौंपे जाने के 15 दिनों के भीतर, तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय (डीटीई एवं आईटी), पंजाब से सभी आवश्यक इनपुट और मास्टर डेटा प्राप्त करने और उनकी पुष्टि के बाद ही, 4 जुलाई 2025 को लॉन्च किया गया था। यह प्रणाली डीटीई एवं आईटी पंजाब की आवश्यकताओं और निर्देशों के अनुसार पूरी तरह से विकसित की गई थी।

श्री वी.के. शर्मा ने कहा कि पोर्टल में 'तकनीकी गड़बड़ियों' का आरोप पूरी तरह से निराधार है। 30 अगस्त 2025 तक, कुल 59,507 छात्रों ने ऑनलाइन पोर्टल पर सफलतापूर्वक पंजीकरण कराया। इनमें से, 55,866 आवेदनों का सत्यापन और स्वीकृति डीटीई एवं आईटी पंजाब के नोडल अधिकारियों द्वारा की गई, 1,580 आवेदनों को उचित सत्यापन के बाद रिजेक्ट कर दिया गया, और शेष आवेदनों को सुधार या पुनः सत्यापन के लिए आवेदकों को वापस कर दिया गया। ये आँकड़े स्पष्ट रूप से साबित करते हैं कि पोर्टल कुशलतापूर्वक काम कर रहा था और तकनीकी खराबी के दावे निराधार हैं।

उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया में देरी का आरोप भी पूरी तरह से भ्रामक है, क्योंकि सी-डैक को यह कार्य 21 जून 2025 को ही प्राप्त हुआ था और उसने 4 जुलाई 2025 को पोर्टल लॉन्च किया था, इसलिए उसकी ओर से कोई देरी नहीं हुई। 30 अगस्त 2025 तक, सरकारी आईटीआई में स्वीकृत कुल सीटों में से 65% सीटें ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से भर दी गई थीं। आवेदकों की और सहायता के लिए, सी-डैक ने प्रवेश की सुचारू सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एसएमएस और ईमेल सूचनाएँ भी भेजीं।

सी-डैक, मोहाली के प्रशासन प्रमुख, श्री कुलदीप द्विवेदी ने बताया कि इस बात पर ध्यान देना आवश्यक है कि डीटीई और आईटी पंजाब ने किसी भी स्तर पर सी-डैक को ब्लैकलिस्ट में डालने की कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्टें गलत व्याख्या पर आधारित प्रतीत होती हैं और उनमें गलत जानकारी दी गई है जिससे सी-डैक की छवि को अनुचित रूप से नुकसान पहुँचा है।

उन्होंने कहा कि डीटीई और आईटी पंजाब के सभी निर्देशों का पालन करते हुए, सी-डैक ने सदैव पारदर्शिता, निष्पक्षता और योग्यता-आधारित व्यवस्था पर आधारित प्रवेश प्रक्रिया सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। संस्था मीडिया से आग्रह करती है कि वे प्रकाशन से पहले सक्षम अधिकारियों से विवरणों की पुष्टि करें और भविष्य में जिम्मेदार व तथ्य-सत्यापित रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें। यह स्पष्टीकरण सी-डैक के कानूनी अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना जारी किया गया है। एक ज़िम्मेदार राष्ट्रीय संस्था होने के नाते, सी-डैक संबंधित मीडिया संस्थानों से माफ़ी मांगने और भ्रामक रिपोर्टों को सही करने के लिए तत्काल एक शुद्धिपत्र प्रकाशित करने की अपेक्षा करता है।

हरियाणा की कौशल प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण से भारत, एशिया और विश्व कौशल प्रतियोगिता में प्रवेश प्राप्त करें - अतिरिक्त उपायुक्त

पात्र उम्मीदवार 30 सितंबर, 2025 तक पंजीकरण कर सकते हैं

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। अतिरिक्त उपायुक्त श्रीमती निशा यादव ने कहा कि भारत कौशल प्रतियोगिता वैश्विक कौशल प्रतियोगिताओं के अनुरूप है और इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न कौशलों में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की पहचान करना है, ताकि वे नवंबर 2025 में ताइपे (ताइवान) और सितंबर 2026 में शंघाई (चीन) में आयोजित होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व कर सकें।

श्रीमती निशा यादव ने बताया कि भारत कौशल प्रतियोगिता (जिला/राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं) में भाग लेने के लिए पात्र उम्मीदवार 30 सितंबर, 2025 तक www.skillindiadigital.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि कौशल प्रतियोगिता विभिन्न स्तरों पर आयोजित की जाएगी। जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं अक्टूबर 2025 में और क्षेत्रीय प्रतियोगिताएं दिसंबर 2025 में आयोजित की जाएंगी। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता (भारत कौशल) फरवरी 2026 में होगी। उन्होंने बताया कि भारत कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं को हरियाणा सरकार द्वारा प्रायोजित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जो अगस्त 2026 तक जारी रहेगा। प्रतियोगिता का समापन सितंबर 2026 में होने वाली विश्व कौशल प्रतियोगिता से होगा।

अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि हरियाणा सरकार विभिन्न भारत कौशल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित करेगी। जिला और राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को उनकी उपलब्धियों के प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। भारत कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं को क्रमशः 5 लाख रुपये, 3 लाख रुपये और 2 लाख रुपये के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रतिष्ठित विश्व कौशल प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम स्थान के लिए 10 लाख रुपये, दूसरे स्थान के लिए 7.5 लाख रुपये और तीसरे स्थान के लिए 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

कौशल भारत प्रतियोगिता में भागीदारी के लिए पात्रता मानदंड को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों की न्यूनतम आयु 16 वर्ष होनी चाहिए। 13 विशिष्ट ट्रेडों को छोड़कर, सभी कौशल/ट्रेडों के लिए उम्मीदवारों का जन्म 1 जनवरी 2004 को या उसके बाद होना आवश्यक है। इन 13 ट्रेडों के लिए, प्रतिभागियों का जन्म 1 जनवरी 2001 को या उसके बाद होना चाहिए। इन ट्रेडों में डिजिटल निर्माण, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, आईसीटी नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, औद्योगिक डिजाइन प्रौद्योगिकी, उद्योग 4.0, मेक्ट्रोनिक्स, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी, रोबोट सिस्टम एकीकरण, जल प्रौद्योगिकी, डेंटल प्रोस्थेटिक्स और विमान रखरखाव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए, उम्मीदवारों के पास हरियाणा सरकार द्वारा जारी पीपीपी आईडी भी होनी चाहिए।

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा और निवारण के लिए उपलब्ध कानूनी तंत्रों के प्रति जागरूक किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पीजीजीसी-46 मे कॉलेज की प्राचार्या प्रो. बीनू डोगरा के कुशल मार्गदर्शन में जेंडर इक्विटी सोसाइटी साहसी, आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और छात्र कल्याण समिति द्वारा पॉश अधिनियम और शी-बॉक्स पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीडियो स्क्रीनिंग के साथ हुई, जिसमें कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की परिभाषा और निवारण के लिए उपलब्ध कानूनी तंत्रों के बारे में बताया गया। इसके बाद एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया गया जिसमें पॉश अधिनियम (2013) के प्रमुख प्रावधानों, आईसीसी और एलसीसी की भूमिकाओं और भारत सरकार के ऑनलाइन शिकायत निवारण मंच शी-बॉक्स की कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला गया। डॉ. सुगंधा मित्तल ने एक विशेष व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने अधिनियम के बारे में जागरूकता और छात्रों को उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के बारे में संवेदनशील बनाने के महत्व पर जोर दिया। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. बीनू डोगरा, डीन सुश्री अनुराधा मित्तल और उप-प्राचार्या प्रो. स्नेह हर्षिंदर शर्मा ने सोसाइटियों की पहल की सराहना की।

अंबाला छावनी के इंडस्ट्रियल एरिया में स्थाई तौर पर पानी निकासी हेतु वॉटर डिस्पोजल टैंक बनाने तथा पानी निकासी के लिए बड़ी पाइपें व हाईपॉवर पम्प लगाने के निर्देश - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थाई तौर पर पानी निकासी के लिए वॉटर डिस्पोजल टैंक बनाने तथा पानी निकासी के बड़े पाइप व हाईपॉवर पम्प लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए ताकि पानी टांगरी नदी में डाला जा सके। उन्होंने बताया कि इस कार्य की अनुमानित लागत लगभग 50 करोड़ रुपए खर्च की जाएगी तथा इस परियोजना को अमलीजामा पहनाने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग व एचएसआईआईडीसी (हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम) के अधिकारियों को विस्तृत परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

श्री विज ने आज यह निर्देश आज अम्बाला छावनी इंडस्ट्रियल एरिया में पानी निकासी प्रबंधों का जायजा लेने के दौरान दिए।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने बताया कि कारोबारियों ने उन्हें इंडस्ट्रियल एरिया की चार दिवारी से चोरी के खतरे बारे बताया है। इसके लिए श्री विज ने इंडस्ट्रियल एरिया के चारों तरफ स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए अपने स्वैच्छिक कोष से 30 लाख रुपए जारी किए है क्योंकि वह चाहते हैं कि इंडस्ट्रियल एरिया एसोसिएशन चारों ओर दीवार पर सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए जिससे उनके सामान की सुरक्षा होगी।

इंडस्ट्रियल एरिया हमारी लाइफलाइन, हजारों लोगों को रोजगार मिलता है - विज

श्री विज ने कहा कि अम्बाला छावनी का इंडस्ट्रियल एरिया हमारे आसपास के क्षेत्र के लिए लाइफलाइन है। यहां वस्तुओं के उत्पादन होने से हजारों लोगों को रोजगार मिलता हैं। उन्होंने बताया कि वे पानी निकासी को लेकर बीते तीन दिनों से लगातार इंडस्ट्रियल एरिया में आ रहे हैं और उन्हें उम्मीद है कि कल शाम तक यहां से पूरा पानी निकल जाएगा।

इससे पहले, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इंडस्ट्रियल एरिया में पानी निकासी प्रबंधों का जायजा लेते हुए क्षेत्र से जल्द से जल्द पानी निकासी के दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पानी निकासी के लिए पूरी ताकत लगाकर यहां काम किया जाए। कारोबारियों ने बताया कि मंत्री अनिल विज द्वारा बीते रोज यहां पंप सेट व अन्य व्यवस्था करने पर बीते 24 घंटे में इंडस्ट्रियल एरिया से काफी मात्रा में पानी निकासी हुई है और पानी का स्तर नीचे हुआ है।

चोरी की घटनाओं को लेकर एसपी अम्बाला को सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए

ऊर्जा मंत्री अनिल विज को कारोबारियों ने बताया कि इंडस्ट्रियल एरिया में बीते कुछ दिनों से चोरियां बढ़ रही है। इस पर मंत्री अनिल विज ने अम्बाला एसपी को फोन पर यहां पुलिस स्टाफ तैनात करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक यहां स्थिति सामान्य नहीं होती, तब तक पुलिस स्टाफ स्थाई तौर पर यहां तैनात किया जाए जोकि इंडस्ट्रियल एरिया के चारों तरफ अपनी निगरानी रखें। उन्होंने मौके पर मौजूद अंबाला कैंट डीएसपी व महेशनगर थाना एसएचओ को भी दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर इंडस्ट्रियल एरिया से कारोबारी सुभाष धीमान, सुभाष मित्तल, संजीव आहूजा, कपिल वर्मा, अखिल गुप्ता, मिशेल धीमान, मीनल जोशी के अलावा जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन हरभजन सिंह, एचएसएसआईडीसी के एक्सईएन बलवेद, नगर परिषद के ईओ देवेंद्र नरवाल, सिंचाई विभाग के एसई मुनीष भारद्वाज, डीएसपी कैंट रमेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद रहे।